



त्योहारों पर स्थानीय कारीगरों से ही खरीदें सामान:प्रधानमंत्री

मन की बात में पीएम मोदी की आम जनता से अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने त्योहारों के अवसर पर लोगों से स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पादों को खरीदने का आग्रह किया। उन्होंने मन की बात के 139वें एपिसोड में कहा कि इससे कारीगरों का उत्साह बढ़ेगा। पीएम ने कहा कि भारत



के स्थानीय उत्पादों की वैश्विक मांग बढ़ रही है। बिहार के पूर्णिया का मखाना अब ग्रीस और कर्नाटक के कलबुर्गी की अरहर दाल मालदीव पहुंच रही है, जिससे देश के किसानों के लिए दुनिया भर में नए अवसर खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 12 साल पहले विजयादशमी के पावन पर्व पर इस कार्यक्रम की शुरुआत हुई थी और यह यात्रा उनके लिए देशवासियों को करीब से जानने व समझने की एक तोर्थ यात्रा के समान है।

संक्षिप्त

समाचार

पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका

- जलालाबाद के पूर्व विधायक रमिंदर आवला ने थामा अकाली दल का दामन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और जलालाबाद से पूर्व विधायक रमिंदर सिंह आवला ने शिरोमणि अकाली दल का दामन थाम लिया है। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने उनका पार्टी में स्वागत किया है।



सुखबीर सिंह बादल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी साझा की। उन्होंने पूर्व विधायक के साथ फोटो भी शेयर की। सुखबीर सिंह बादल ने अपनी पोस्ट कर लिखा कि वरिष्ठ नेता और जलालाबाद से पूर्व विधायक, रमिंदर सिंह आवला का शिरोमणि अकाली दल में स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। जलालाबाद ने मुझे तीन बार सेवा करने का मौका दिया। यह एक ऐसा चुनाव क्षेत्र भी है, जिसने अकाली दल की सरकारों के दौरान क्रांतिकारी विकास देखा है। बादल ने आगे लिखा कि अब रमिंदर सिंह आवला के पार्टी में शामिल होने से मुझे विश्वास है कि वह इस चुनाव क्षेत्र के साथ-साथ पूरे बॉर्डर इलाके में शिरोमणि अकाली दल को मजबूत करने के लिए अपनी पूरी कोशिश करेगी, ताकि 2027 में पार्टी की जीत पक्की हो सके।

दुर्गा विसर्जन जुलूस पर अंडे फेंकने के बाद बवाल

- हैदराबाद में कोहराम, हिंदू संगठनों ने किया विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में दुर्गा विसर्जन जुलूस के दौरान एक संवेदनशील मामला सामने आने के बाद दर भारी तनाव फैल गया। आरोप है कि मदानपेट पुलिस स्टेशन के इलाके में संतोष नगर हौटल



लेन के पास एक जुलूस के दौरान दुर्गा माता की प्रतिमा पर कुछ लोगों ने अंडे फेंके। इस घटना के विरोध में हिंदू संगठनों ने जमकर हंगामा और प्रदर्शन किया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, उन्हें रात में डायल 100 पर एक कॉल मिली थी, जिसमें यह सूचना दी गई कि संतोष नगर हौटल लाइन के पास विसर्जन जुलूस के दौरान कुछ उपद्रवियों ने दुर्गा माता की प्रतिमा पर अंडे फेंके हैं। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और हालात को संभाला। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर कुछ संदिग्धों को हिरासत में ले लिया है और फिलहाल पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

पीएम बोले- खादी की बिक्री में 28 करोड़ पहुंची

मोदी ने कहा कि गांधी जयंती के अवसर पर केवल एक ही दिन में खादी ग्रामोद्योग के उत्पादों की बिक्री 28 करोड़ रुपए से अधिक दर्ज की गई, जो पिछले साल की तुलना में भी करीब डेढ़ करोड़ रुपए ज्यादा है। पीएम ने कहा कि 4 नवंबर को महान स्वतंत्रता सेनानी भाई परमानंद जी की 150वीं जयंती है। आर्य समाज और गदर पार्टी से जुड़े भाई परमानंद जी ने दक्षिण अफ्रीका व गुयाना में कार्य किया और आजादी की लड़ाई में काला पानी की सजा काटी।

ईटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश में 11,200 मेगावाट के प्रस्तावित सियांग प्रोजेक्ट के विरोध में शुक्रवार रात हिंसा भड़क गई। भीड़ ने एनएचपीसी ऑफिस और पुलिस स्टेशन में आग लगा दी। सात-आठ पुलिस वाहन भी जला दिए गए। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष कलिंग मोयोंग और विधायकों के घरों में तोड़फोड़ की। पथराव में डीएसपी समेत कई पुलिसकर्मी घायल हुए। प्रस्तावित बांध का मकसद चीन से आने वाले पानी को नियंत्रित करना और बाढ़ का खतरा कम करना है। सियांग, अपर सियांग और पूर्वी सियांग जिलों में शुक्रवार को 12 घंटे का बंद बुलाया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, बंद के दौरान सियांग जिले में करीब 150 से 200



आदिवासी संगठन के ऑफिस में भी तोड़फोड़

पासीघाट के डीएसपी टोनी तातक के मुताबिक, प्रदर्शनकारी मेबो इलाके से आए थे। भीड़ ने आदि समुदाय के प्रमुख संगठन आदि बाने केबांग के कार्यालय में भी तोड़फोड़ की। पुलिस नुकसान का आंकलन कर रही है। विधायक निनोंग एरिंग के मुताबिक, रात करीब 2 बजे 300-400 युवा उनके घर पहुंचे। उन्होंने तोड़फोड़ कर संपत्ति लूट ली। बंद का आह्वान चार संगठनों ने मिलकर किया था। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि गिरफ्तार किए गए 10 कार्यकर्ताओं को रिहा किया जाए, निलंबित गांव के मुखियाओं को फिर से बहाल किया जाए, प्रोजेक्ट से जुड़े शुरुआती सवें बंद किए जाएं और इलाके में तैनात अर्धसैनिक व केंद्रीय सुरक्षा बलों को हटाया जाए।

एसआईआर सॉफ्टवेयर की जानकारी देने से ईसी का इनकार

- कहा-यह ट्रेड सीक्रेट,आरटीआई के तहत सार्वजनिक नहीं कर सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के दौरान वोटर लिस्ट में गड़बड़ियां पहचानने के लिए इस्तेमाल किए गए सॉफ्टवेयर की जानकारी देने से इनकार कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, आयोग ने आरटीआई के जवाब में कहा- यह जानकारी ट्रेड सीक्रेट और इंटेलिक्चुअल प्रॉपर्टी से जुड़ी है। इसे आरटीआई कानून के तहत सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। आयोग ने यह भी साफ नहीं किया कि वोटर लिस्ट में गड़बड़ियां पहचानने के लिए ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस या मशीन लर्निंग का इस्तेमाल किया था।



जज के नाबालिग बेटे ने मर्सिडीज से मारी टक्कर

- केरलम में स्कूटर सवार की मौत,पीड़ित परिवार नाराज

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरलम के कोच्चि में शनिवार देर रात मर्सिडीज कार ने स्कूटर को पीछे से टक्कर मार दी। हदसे में 55 साल के स्कूटर सवार की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, कार चलाने वाला एड्रिअनल सेशन जज का बेटा है। उसकी उम्र 17 साल है। कार जज रात 2 से 3 बजे के बीच हुआ।



घटनास्थल के एक वीडियो में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिखाई दिया। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि पुलिस स्टेशन में जब उन्होंने नाबालिग को कार चलाने देने पर सवाल उठाया, तो जज ने उनसे अपमानजनक लहजे में बात की। हदसे में जान गंवाने शख्स की पहचान जयबालकृष्णन के रूप में हुई है। वह करीब 30 साल से अपनी पत्नी मंजू के साथ सड़क किनारे खाने का स्टॉल चला रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, जयबालकृष्णन ने शनिवार रात चित्तूर मंदिर के पास अपना स्टॉल बंद किया था। वह रोज शाम करीब 4 बजे दुकान खोलते थे और वहां मुख्य रूप से डोसा सहित शाकाहारी खाना बेचते थे।

दुश्मन की रणनीति के हिसाब से खुद को ढालना बेहद जरूरी

एयरफोर्स चीफ बोले-कोई लक्ष्य हमारी पहुंच से बाहर नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने पश्चिमी मोर्चे पर 1,200 किलोमीटर चौड़े और 200 किलोमीटर क्षेत्र में सटीक हमले किए। इससे साबित हुआ कि वायुसेना की पहुंच से कोई भी लक्ष्य बाहर नहीं है। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने एक बार फिर दिखाया कि देश की सुरक्षा में वायुसेना की अहम भूमिका है। ऑपरेशन से एक सबक साफ है कि हमें हमेशा कई विकल्प अपने पास रखने चाहिए और दुश्मन की रणनीति बदलने पर तेजी से खुद को उसके मुताबिक ढालने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने यह बात एक



वायुसेना को अपनी युद्ध क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देना होगा

अब वायुसेना को अपनी युद्ध क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। इसके लिए लड़ाकू विमानों और सैन्य संसाधनों की संख्या बढ़ानी होगी। साथ ही, खुफिया जानकारी जुटाने, निगरानी, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर, ड्रोन को रोकने और मजबूत नेटवर्क बनाने की क्षमता बढ़ानी होगी। फैसले लेने में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का इस्तेमाल भी बढ़ाना होगा। भारतीय वायुसेना का विजन 2047 तक विकसित भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य से जुड़ा है। विकसित भारत के लिए देश का सुरक्षित और संकटों का सामना करने में सक्षम होना भी जरूरी है।

इंटरव्यू में कही। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता किसी एक हथियार या विमान की वजह से नहीं मिली। इसमें सटीक खुफिया जानकारी, एक-दूसरे से जुड़े सैन्य नेटवर्क, दूर से हमला करने वाले हथियार, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर, मजबूत वायु रक्षा प्रणाली और ड्रोन को रोकने की क्षमता ने मिलकर काम किया।

सेना ने एलओसी में 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। 26 दूरिस्ट की हत्या की गई थी। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। भारत सरकार ने कहा था कि इन हमलों में 100 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया था। इसके बाद 10 मई को भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों के बीच बातचीत के बाद दोनों देशों ने सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई थी।

महाराष्ट्र के जलगांव में आरएसएस के पथ संचलन पर बवाल

- धार्मिक स्थल के सामने हुआ पथराव, पुलिस ने किया लाठीचार्ज



जलगांव (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में आरएसएस के पथ संचलन के दौरान तनाव की स्थिति पैदा हो गई। कुछ लोगों मस्जिद के सामने से पथ संचलन के गुजरने का विरोध किया। पथ संचलन के विरोध में पुरुषों ने महिलाओं को आगे

कर धरने पर बैठा दिया। इसी दौरान पथराव होने की बात भी सामने आ रही है। स्थिति को बिगड़ता देख पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। फिलहाल मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जलगांव जिले का अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया है। जानकारी के अनुसार, किंगगांव गांव में आरएसएस के रूट मार्च के दौरान एक मस्जिद के पास विरोध-प्रदर्शन होने से तनाव फैल गया।

उर्मिला सनावर की गिरफ्तारी को लेकर इसलिए भी चर्चा तेज है, क्योंकि यह घटनाक्रम अंकिता भंडारी हत्याकांड से संबंधित प्रस्तावित नाकी टेस्ट की न्यायिक प्रक्रिया के बीच सामने आया है।उपलब्ध विवरणों के अनुसार, अक्टूबर 2026 में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अंकिता भंडारी हत्याकांड से जुड़े घटनाक्रम के संबंध में उर्मिला सनावर और पूर्व विधायक सुरेश राठौर से पूछताछ की थी। मीडिया रिपोर्टों में दोनों को प्रस्तावित पॉलीग्राफ और नाकी टेस्ट की सहमति संबंधी प्रक्रिया के लिए अदालत में पेश होने की जानकारी दी गई थी।

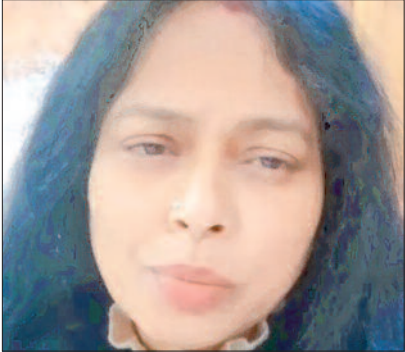
बताया गया कि 23 अक्टूबर को दोनों ने परीक्षण करने की सहमति जताई थी। उर्मिला ने परीक्षण मीडिया की मौजूदगी में करने की मांग भी रखी थी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस संबंध में अगली सुनवाई 26 अक्टूबर के लिए निर्धारित थी। हालांकि, किसी परीक्षण के लिए सहमति देना और वास्तव में परीक्षण होना अलग-अलग बातें हैं।

अभिनेत्री उर्मिला सनावर गिरफ्तार, नाकी टेस्ट से पहले पुलिस की कार्रवाई से बड़ी हलचल

हरिद्वार/सहारनपुर। उत्तराखंड के चर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित वीआईपी के नाम को लेकर सुर्खियों में आई अभिनेत्री उर्मिला सनावर को हरिद्वार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, यह कार्रवाई रानीपुर कोतवाली में दर्ज एक मुकदमे के सिलसिले में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर स्थित उनके आवास पर दबिश देकर की गई। उन पर पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने, रविदास धाम की संपत्ति अपने नाम करने, सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक एवं मानहानिकारक टिप्पणियां करने और जान से मारने की धमकी देने जैसे आरोप हैं।

उर्मिला की गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है, जब अंकिता भंडारी हत्याकांड से जुड़े कथित ऑडियो और वीआईपी की भूमिका को लेकर चर्चाएं जारी हैं तथा प्रस्तावित नाकी टेस्ट को लेकर न्यायालय में प्रक्रिया चल रही है। हालांकि, उर्मिला की गिरफ्तारी जिस मुकदमे में हुई है, वह अंकिता हत्याकांड की जांच से अलग मामला है।

बेटी की शिकायत पर दर्ज हुआ मुकदमा



पुलिस के अनुसार, टिहरी विस्थापित कॉलोनी निवासी शिकायतकर्ता ने 24 अक्टूबर की रात रानीपुर कोतवाली में तहरीर दी थी। शिकायतकर्ता पूर्व विधायक सुरेश राठौर की बेटी बताई गई हैं। तहरीर में आरोप लगाया गया कि उर्मिला सनावर ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और मानहानिकारक टिप्पणियां कर उनकी तथा उनके परिवार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास

किया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से रविदास धाम की संपत्ति अपने नाम करने और पांच करोड़ रुपये देने की मांग की गई। मांग पूरी नहीं होने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप भी लगाया गया है।शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस टीम गठित की गई। प्रभावी निरीक्षक मनोहर सिंह भंडारी के नेतृत्व में टीम सहारनपुर पहुंची और उर्मिला सनावर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, मामले में कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। पुलिस की ओर से गिरफ्तारी के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मामले में न्यायालय की प्रक्रिया और जांच के निष्कर्ष महत्वपूर्ण होंगे। शिकायत में लगाए गए आरोपों के स्वतंत्र रूप से न्यायिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

नाकी टेस्ट की सहमति के बीच गिरफ्तारी

संपादकीय

घुसपैठिया उतराखंडी

राजनीति में शब्द कभी केवल शब्द नहीं होते। वे नेताओं की सोच, उनकी संवेदनशीलता और समाज के प्रति उनके दृष्टिकोण को भी उजागर करते हैं। एक सामान्य व्यक्ति की कही बात कुछ लोगों तक सीमित रह सकती है, लेकिन जब वही बात किसी बड़े राजनीतिक दल के प्रमुख के मुंह से निकलती है, तो उसका प्रभाव व्यापक हो जाता है। इसलिए सार्वजनिक जीवन में बैठे लोगों के लिए अपनी भाषा के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरतना आवश्यक है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की उतराखंड के लोगों को लेकर की गई टिप्पणी ने इसी प्रश्न को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। उत्तर प्रदेश में कथित घुसपैठियों के सवाल पर उतराखंड के लोगों का उल्लेख किए जाने के बाद विवाद खड़ा हुआ। जहां भाजपा ने इसे उतराखंड के सम्मान से जोड़कर विशेष जताया, वहीं समाजवादी पार्टी की ओर से स्पष्टीकरण दिया गया कि टिप्पणी का निशाना उतराखंड की जनता नहीं, बल्कि एक राजनीतिक व्यक्ति था।अखिलेश यादव और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच राजनीतिक मतभेद सार्वजनिक हैं। लेकिन राजनीतिक आलोचना और क्षेत्रीय पहचान को बहस में खींचने के बीच अंतर है। यदि निशाना योगी आदित्यनाथ को राजनीति थी, तो चर्चा उनके निर्णयों, नीतियों और राजनीतिक आचरण तक सीमित रह सकती थी। उतराखंड का संदर्भ आने से बहस का दायरा बदल गया और एक प्रदेश के लोगों की पहचान चर्चा का विषय बन गई। बड़े नेताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी बात इस तरह रखें कि राजनीतिक विरोध स्पष्ट हो, लेकिन सामाजिक विभाजन की आशंका न बढ़े।उतराखंड राज्य की स्थापना के पीछे लंबा जनसंचर्ष, जनभावनाएं और अनेक लोगों के बलिदान जुड़े हैं। अलग राज्य की मांग करने वाले आंदोलनकारियों ने वर्षों तक संघर्ष किया, तब जाकर उतराखंड को अपनी अलग राजनीतिक और प्रशासनिक पहचान मिली। ऐसे प्रदेश के लोगों के लिए अपनी क्षेत्रीय पहचान केवल भौगोलिक परिचय नहीं, बल्कि संघर्ष और आत्मसम्मान से जुड़ा विषय भी है। इसलिए जब किसी राजनीतिक बयान में उतराखंड के लोगों को घुसपैठिया जैसे शब्द से जोड़ा जाता है, तो उसकी प्रतिनित्रिमा को केवल राजनीतिक उतेजना कहकर खारिज करना उचित नहीं होगा। यहां एक बुनियादी बात समझनी होगी। उतराखंड का निवासी यदि उत्तर प्रदेश में नौकरी करता है, व्यवसाय चलाता है या वहां बसकर अपना परिवार पालता है, तो वह दूसरे प्रदेश का व्यक्ति होने के कारण घुसपैठिया नहीं बन जाता। भारत की संवैधानिक व्यवस्था नागरिकों को देश के भीतर आवागमन, निवास और व्यवसाय के अधिकार देती है, जिन पर कानून के अनुसार उचित प्रतिबंध लागू हो सकते हैं। यदि अखिलेश यादव उतराखंडियों को घुसपैठ कहते हैं तो वह खुद यह क्यों भूल जाते हैं कि उनकी पत्नी डिंपल यादव उतराखंड से संबंध रखती हैं। इस विषय को केवल पारिवारिक रितों तक सीमित कर देना भी उचित नहीं होगा। किसी प्रदेश का सम्मान करना इसलिए जरूरी नहीं कि वहां से किसी की पत्नी, बहु या रिश्तेदार आते हों। सम्मान का आधार मानवीय गरिमा और समान नागरिकता होनी चाहिए, न कि व्यक्तिगत संबंध। वर्तमान विवाद के बीच उतराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी इस घटना का उल्लेख करते हुए अखिलेश यादव की टिप्पणी पर आपत्ति जताई और सार्वजनिक माफ़ी की मांग की। किसी नेता का विवादित बयान कुछ घंटों में सुर्खियां बन सकता है। राजनीतिक दल उसके पक्ष और विपक्ष में बयान जारी कर सकते हैं। मुंह से निकली बात जब बवाल बन गई तो समाजवादी पार्टी ने कहा है कि अखिलेश यादव की टिप्पणी का उद्देश्य उतराखंड के लोगों का अपमान करना नहीं था। अखिलेश यादव को आकलन करना चाहिए कि यदि उतराखंड से आया एक व्यक्ति उत्तर प्रदेश पर राज कर रहा है तो उसके अंदर योग्यता होनी और खुद उत्तर प्रदेश की जनता ने उतराखंड के उस व्यक्ति को चुनकर मुख्यमंत्री बनाया है। इन परिस्थितियों में यह बयान केवल अखिलेश यादव की बौखलाहट को ही दर्शाता है। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा हैं। किसी मुख्यमंत्री की आलोचना की जा सकती है, किसी पूर्व मुख्यमंत्री के बयान पर प्रश्न उठाए जा सकते हैं और किसी राजनीतिक दल से जवाबदेही मांगी जा सकती है। लेकिन इन सबके बीच आम नागरिक की गरिमा को सुक्ष्ति रखना भी उतना ही जरूरी है। राजनीति में विरोध कीजिए, सवाल पूछिए और तथ्यों के साथ असहमति दर्ज कीजिए; लेकिन ऐसी भाषा से बचिए, जो राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को निशाना बनाते–बनाते समाज के किसी हिस्से को कटघरे में खड़ा कर दे। लोकतंत्र की वास्तविक परिपक्वता इसी में है कि सत्ता और विपक्ष के बीच संघर्ष जारी रहे, लेकिन नागरिकों के बीच सम्मान और विश्वास बना रहे।

सऊदी अरब में त्यभिचार के जुर्म में फांसी से उपजे सवाल



तनवीर जाफ़री

सऊदी अरब की अल मजाल कंपनी में काम करने वाले बांग्लादेश के दो नागरिकों नजरूल इस्लाम अब्दुल बासिर (पुरुष-22) और स्वीटी अख्तर (महिला) को गत 14 अक्टूबर को मक्का क्षेत्र में मृत्युदंड दे दिया गया। नजरूल इस्लाम बांग्लादेश के ब्राह्मणबाड़िया ज़िले के रहने वाले थे जबकि स्वीटी अख्तर तंगाइल ज़िले की निवासी थीं। यह दोनों एक दूसरे के दोस्त थे और 2022 के अंत में सऊदी अरब पहुँच कर वहाँ की अल मजाल नामक कंपनी में सफाई कर्मचारी के रूप में काम करने लगे थे। उन्हें मई 2023 में सऊदी अरब की पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उन पर आरोप था कि इन दोनों ने सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का की एक मस्जिद के कमरे में अवैध व अनैतिक रूप से यौन कृत्य किया। बताया जा रहा है कि सुरक्षा अधिकारियों ने इन दोनों को पवित्र शहर मक्का के भीतर एक मस्जिद परिसर में इसी अभद्र

कृत्य करने के आरोप में रों हाथों गिरफ्तार किया था। इस मामले में 39 महीने तक यह दोनों जेल में रहे और इस बीच सुनवाई चलती रही। सऊदी गृह मंत्रालय के अनुसार इस घटना की गहन जांच की गई। उसके बाद निचली अदालत में मुकदमा चला। इसके बाद 13 न्यायाधीशों के पुनर्विचार करने वाले एक उच्च पेनल ने भी इस सज़ा को बरकरार रखा, जिसके बाद ही शाही फ़रमान के ज़रिए इसे लागू किया गया। सऊदी अधिकारियों के अनुसार, यह अपराध मक्का क्षेत्र में एक पवित्र मस्जिद परिसर के भीतर हुआ था। इस्लाम धर्म में मक्का और वहाँ की मस्जिदों को बेहद पवित्र माना जाता है। सऊदी न्यायशास्त्र के अनुसार, ऐसे स्थानों पर अनैतिक कृत्य करना एक गंभीर धार्मिक और कानूनी अपराध है, जिसके लिए कठोरतम सज़ा का प्रावधान है। फांसी की यह सज़ा ताज़ीर के तहत दी गई थी। शरिया में ताज़ीर उन अपराधों के लिए होता है जिनकी सज़ा क़ुरान या हदीस में तय नहीं होती, बल्कि न्यायाधीश स्वयं अपराध की गंभीरता और समाज पर उसके प्रभाव को देखते हुए मौत की सज़ा तक का फ़ैसला ले सकते हैं। ताज़ीर क़ानून का अर्थ एक ऐसी सज़ा जो इतिहास में भूली न जा सके और जिसे सुनकर कोई भी व्यक्ति कभी भी ऐसी हरकत करने की भी ना सोचे। इस सज़ा की भले ही बांग्लादेश सहित विभिन्न मानवाधिकार संगठनों द्वारा आलोचना क्यों न की जा रही हो परन्तु सऊदी अरब के गृह मंत्रालय और न्यायिक अधिकारियों के दृष्टिकोण से इस सज़ा को उनके देश के क़ानूनों के अनुसार उचित माना गया है। फांसी देने के

बाद सऊदी गृह मंत्रालय ने अपने बयान में कहा है कि सऊदी हुकूमत न्याय की रक्षा करने , सुरक्षा बनाए रखने और मस्जिदों की पवित्रता व मर्यादा का उल्लंघन करने वाले या दूसरों के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ़ इस्लामी शरीया क़ानून सख्ती से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। जो भी ऐसा अपराध करेगा उसका अंजाम यही होगा। सऊदी अरब का मानना है कि एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में उसे अपने देश की सीमाओं के भीतर अपने कानूनों को लागू करने का पूरा अधिकार है। गौरतलब है कि वहाँ की न्याय प्रणाली पूरी तरह से इस्लामी शरिया क़ानून पर आधारित है। परन्तु इस घटना के बाद बांग्लादेश और सऊदी अरब के बीच कूटनीतिक तनाव गहरा गया है। बांग्लादेश सरकार और जेद्दा स्थित बांग्लादेशी महावाणिज्य दूतावास को इस फांसी के बारे में पहले से कोई सूचना या जानकारी नहीं थी। हालांकि गत सितंबर में सऊदी अरब द्वारा साझा की गई 2,500 कैदियों की सूची में इन दोनों के नाम ज़रूर थे परन्तु उनके नाम के साथ उन्हें दी जाने वाली मौत की सज़ा का कोई ज़िक्र नहीं था। बल्कि गोपनीय दस्तावेजों के मुताबिक़ स्वीटी अख्तर पर व्यभिचार और नजरूल इस्लाम पर साइबर अपराध के अलग-अलग आरोप दर्ज थे। इसीलिये बांग्लादेश ने इस गुप्त फाँसी पर गंभीर आपत्ति जताई है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शाहिदुल करीम और राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने कहा कि विनया कन्वेंशन ऑन कांसुलर रिलेशंस के तहत यदि किसी विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया जाता है या मौत की सज़ा

दी जाती है, तो उसकी जानकारी संबंधित देश के दूतावास को देना अनिवार्य है। परन्तु सऊदी अरब ने गुप्तचुप तरीके से फांसी दी इसलिये इसे राजनयिक स्तर पर पूरी तरह अनुचित माना गया है। इसीलिये ढाका ने आधिकारिक तौर पर सऊदी अरब से अदालतीफैसलों की प्रतियां, अपराधों का पूरा विवरण और बिना सूचना दिए फांसी देने का कारण पूछा है। बांग्लादेश की जनता में भी इस घटना को लेकर गहरा दुख और आक्रोश है। स्थानीय सोशल मीडिया और स्थानीय मीडिया में इस संबंध में अपनी सरकार की निष्कियता पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। वहां के लोग इस घटना की तुलना श्रीलंका के नागरिक अनेोजन सिवारसा के मामले से कर रहे हैं, जिसकी ईश निंदा की मौत की सज़ा को अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक दबाव के बाद सऊदी अरब ने इसी महीने रद्द कर दिया था। इसके अतिरिक्त एमर्सेटी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच जैसी वैश्विक संस्थाओं ने भी सऊदी अरब की न्यायिक प्रणाली और मृत्युदंड की बढ़ती दरों पर एक बार फिर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इस बात की आलोचना की है कि बिना पारदर्शी अदालती कार्यवाही, बिना उचित कानूनी प्रतिनिधित्व के, और गुप्त रूप से विदेशी नागरिकों को फाँसी देना मानवाधिकारों का गंदा उल्लंघन है। गौरतलब है कि सऊदी अरब में वर्तमान में करीब 35 लाख बांग्लादेशी प्रवासी मजदूर रहते हैं, जो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था के लिए प्रेषित धन का मुख्य माध्यम हैं।

संविधान सर्वोपरि, मूल अधिकारों में छेड़छाड़ नहीं कर सकती संसद!



सोहिल जैन

मौलिक अधिकारों, धार्मिक स्वतंत्रता, मताधिकार, संवैधानिक संस्थाओं की शक्ति पर संसद के अधिकार सीमित... भारतीय संविधान केवल शासन चलाणे का दस्तावेज नहीं, बल्कि नागरिकों की स्वतंत्रता, समानता और लोकतांत्रिक अधिकारों का संरक्षक है। संसद को संविधान में संशोधन करने का अधिकार अवश्य है, लेकिन यह अधिकार असीमित नहीं है। संसद के दोनों सदन मिलकर भी संविधान के मूल ढांचे को समाप्त नहीं कर सकते। यही भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी संवैधानिक शक्ति है। 26 नवंबर 1949 को संविधान अंगीकृत किया गया, 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। संविधान निर्माताओं ने ऐसी व्यवस्था बनाई, जिसमें संसद, सरकार और न्यायपालिका सभी संविधान के अधीन अपने कर्तव्यों और अधिकारों का पालन करें। संसद कानून बना सकती है, सरकार उनका क्रियान्वयन कर सकती है, न्यायपालिका को समीक्षा का अधिकार दिया गया। किसी को भी संविधान की मूल भावना को कम या नष्ट करने का अधिकार नहीं है। भारतीय संस्कृति में ब्रह्मा विष्णु और महेश तीनों भगवानों के पास अलग-अलग दायित्व हैं। संविधान निर्माताओं ने भारतीय संस्कृति में नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए इन्हें तीन शक्तियों को विधायक का कार्यपालिका और न्यायपालिका के रूप में स्वीकार किया जनता जनार्दन अपनी मर्जी से सरकार चुनेगी, चुने हुए प्रतिनिधि जनता की इच्छा को सर्वोपरि मानते

हुए जनता के अधिकारों की रक्षा करेंगे।यह भारतीय संविधान की मूल भावना है। संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता को ही राजा माना गया है।

संसद की शक्ति पर सुप्रीम कोर्ट की ऐतिहासिक सुहर

24 अप्रैल 1973 को सुप्रीम कोर्ट ने केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया। 13 न्यायाधीशों की पीठ ने 7-6 के बहुमत से स्पष्ट किया। संसद अनुच्छेद 368 के तहत संविधान के किसी भी प्रावधान में संशोधन कर सकती है, लेकिन संविधान के मूल ढांचे में छेड़छाड़ और उसे समाप्त नहीं कर सकती है। इस फैसले ने संसद की संशोधन शक्ति की संवैधानिक सीमा निर्धारित कर दी है। लोकतंत्र, कानून का शासन, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, न्यायिक समीक्षा और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव जैसी विशेषताएं संविधान के मूल ढांचे से जुड़ी हुई हैं। इसका अर्थ है कि संसद अपने बहुमत के बल पर ऐसी व्यवस्था स्थापित नहीं कर सकती, जिसमें नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकार और संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता समाप्त हो जाए। इस मामले में विधायिका और कार्यपालिका के अधिका भी सीमित हैं।

मौलिक अधिकारों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता भारतीय संविधान के भाग तीन में अनुच्छेद 12 से 35 तक मौलिक अधिकारों का प्रावधान है। अनुच्छेद 14 कानून के समक्ष समानता, अनुच्छेद 19 नागरिक स्वतंत्रताओं, अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता तथा अनुच्छेद 25 से 28 धार्मिक स्वतंत्रता से संबंधित प्रावधान हैं। अनुच्छेद 32 नागरिकों को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन होने पर सीधे सुप्रीम कोर्ट जाने का अधिकार देता है। संविधान का संरक्षक सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट को बनाया गया। उच्च न्यायालयों को अनुच्छेद 226 के अंतर्गत रिट के माध्यम से अतिरिक्त शक्ति प्राप्त है। जो विधायिका और कार्यपालिका के ऊपर न्यायपालिका की नियंत्रण शक्ति है। इसका अर्थ यह नहीं है, मौलिक अधिकारों से संबंधित किसी भी प्रावधान में संशोधन नहीं हो सकता

है। संसद संवैधानिक प्रक्रिया के अनुसार संशोधन कर सकती है। लेकिन ऐसे सभी संशोधन न्यायिक समीक्षा के अधीन हैं। संविधान के मूल ढांचे में संसद भी छेड़छाड़ नष्ट नहीं कर सकती है। आपातकाल ने सिखाया संवैधानिक सीमाओं का महत्व 1975 से 1977 के आपातकाल के दौरान नागरिक स्वतंत्रताओं और न्यायिक समीक्षा पर गंभीर सवाल उठाे। वर्ष 1976 के 42वें संविधान संशोधन ने संसद की संशोधन शक्ति को व्यापक बनाने और न्यायिक समीक्षा को सीमित करने के प्रयास किए थे । 1980 में मिर्जा मिल्स बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 42वें संशोधन के उन प्रावधानों को असंवैधानिक घोषित कर दिया, जिसमें संसद की संशोधन शक्ति को असीमित बनाने और न्यायिक समीक्षा को समाप्त करने का प्रयास किया था। अदालत ने स्पष्ट किया, सीमित संशोधन शक्ति स्वयं संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा है।

मतदान का अधिकार, लोकतंत्र और संविधान की असली ताकत

मतदान भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला है। अनुच्छेद 326 मे लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों में वयस्क मताधिकार का संवैधानिक आधार प्रदान करता है। मतदान के अधिकार की कानूनी प्रकृति मौलिक अधिकारों से अलग है। इसे संविधान और चुनाव संबंधी कानूनों के प्रावधानों के अनुसार समझना आवश्यक है। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव नागरिक के मूल अधिकार तथा लोकतांत्रिक शासन संविधान के मूल ढांचे के महत्वपूर्ण अंग हैं। इसलिए संसद या सरकार ऐसी व्यवस्था नहीं बना सकती, जो लोकतंत्र की बुनियादी अधिकारों को नष्ट या सीमित कर सके। संसद को संविधान से शक्ति प्राप्त होती है। संविधान संसद ने नहीं बनाया। विधायिका को बहुमत के आधार पर सरकार बनाने का अधिकार मिलता है। संविधान की मूल भावना को समाप्त करने का अधिकार संसद के पास नहीं है । भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती इसी में है, जिसमें नागरिकों के अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता, समानता और निष्पक्ष चुनाव सरकार की इच्छा पर नहीं, बल्कि संवैधानिक मर्यादाओं और

परंपराओं पर आधारित हों।

न्यायपालिका की समक्ष के अंतर्गत संवैधानिक संस्थाएं भारत में सभी संवैधानिक संस्थाएं जिन्हें संवैधानिक अधिकार मिले हुए हैं, वह सभी न्यायपालिका की समीक्षा के अंतर्गत आते हैं। चुनाव आयोग भी न्यायपालिका की समीक्षा के अंतर्गत है। चुनाव आयोग को ऐसे कोई अधिकार संविधान से नहीं मिले, जिससे वह अपनी मंमानी कर सके। चुनाव आयोग को भी नियमों के अंतर्गत काम करना होगा। चुनाव में सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर प्राप्त हों, सभी नागरिक अपने मतदान के अधिकार का उपयोग कर पायें। इसकी जिम्मेदारी चुनाव आयोग के पास है, वह भी जवाबदेह है। पिछले कुछ वर्षों से चुनाव आयुक्तों की निर्गुणता और चुनाव आयोग पर सरकार की दखलंदाजी बढ़ी है। कैदीय चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से दूरी बनाई। चुनाव के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में वह निष्पक्षता देखने को नहीं मिली। जो इसके पहले चुनाव आयोग में देखने को मिलती थी। मतदाता सूचियां को लेकर भी जिस तरह के बदलाव किए गए। बीएलओ और ईआरओ के अधिकार चुनाव आयोग ने सीमित कर दिये चुनाव व्यवस्था का केन्द्रीयकरण करते हुए चुनाव परिणाम भी केन्द्रीकृत व्यवस्था से किए जाने लगे, जिसके कारण देश भर में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांगा जा रहा है। देश में पखली बार चुनाव आयोग के प्रति इतना अविश्वास देखने को मिल रहा है।

देश भर में आंदोलन चल रहा है। स्वतंत्रता की बात से अभी तक के इतिहास में पहली बार 13 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। नागरिकों के अधिकार को चुनाव आयोग द्वारा चुनौती दी गई है। ऐसा करने का उसके पास कोई अधिकार भी नहीं था। ऐसी स्थिति में सभी संवैधानिक संस्थाओं को समझना होगा,उनके अधिकार और जिम्मेदारी दोनों ही समीक्षा के अधिकार और जवाबदेही से अलग नहीं हैं। कोई भी संस्था संविधान से मिले अधिकारों का दुरुपयोग या मनमानी नहीं कर सकती है।

दिल्ली चलो रैली से कितना बदलेगा सियासी परिदृश्य?



सोहरब वार्षेय

पुनाव आयोग, राजनीतिक दलों और सरकार—सभी की जवाबदेही जनता के प्रति है। यदि ‘दिल्ली चलो अभियान इस जवाबदेही को मजबूत करने और मतदाता के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस पहल का माध्यम बनता है, तो इसका महत्व किसी एक रैली या राजनीतिक टकराव से कहीं अधिक होगा।



केवल प्रशासनिक आंकड़ों से नहीं, बल्कि पारदर्शिता और नागरिकों के भरोसे से तय होगी। यदि किसी मतदाता को अपना नाम हटाए जाने या शामिल नहीं किए जाने की आशंका है, तो उसे आपत्ति दर्ज कराने, दस्तावेज प्रस्तुत करने और समयबद्ध समाधान प्राप्त करने का प्रभावी अवसर मिलना चाहिए। विशेष रूप से गरीबों, प्रवासी श्रमिकों, बुजुर्गों और उन नागरिकों के लिए व्यवस्था सरल होनी चाहिए, जिनके पास आवश्यक दस्तावेज जुटाने के सीमित साधन हैं। इंडिया गठबंधन ने इसी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को अपना प्रमुख मुद्दा बनाया है। अब महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या विपक्ष अपने आरोपों को ठोस प्रमाणों के साथ सामने रख पाएगा और क्या चुनाव आयोग प्रत्येक शिकायत का स्पष्ट एवं तथ्यपरक उत्तर देगा? लोकतांत्रिक व्यवस्था में आरोप लगाने का अधिकार विपक्ष को है, लेकिन आरोपों की जांच और निष्कर्ष तथ्यों के आधार पर ही निकलने चाहिए। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिसकी विश्वसनीयता लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उसकी जिम्मेदारी केवल चुनाव संपन्न कराना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और कानून के अनुरूप हो। आयोग के प्रति जनता का विश्वास कमजोर पड़ता है, तो चुनाव परिणामों की स्वीकार्यता

और राजनीतिक व्यवस्था की स्थिरता भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए चुनाव आयोग को विपक्ष की आलोचना को केवल राजनीतिक आरोप मानकर खारिज करने के बजाय, जहां आवश्यक हो, तथ्यों के साथ जवाब देना चाहिए। मतदाता सूची में संशोधन, नाम हटाने की प्रक्रिया, दावों और आपत्तियों के निस्तारण तथा शिकायतों पर कार्रवाई से संबंधित जानकारी सार्वजनिक करना इस दिशा में उपयोगी कदम हो सकता है। दूसरी ओर, किसी संवैधानिक पदाधिकारी पर लगाए गए आरोपों को प्रमाणित मान लेना भी उचित नहीं होगा। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ इस्तीफे की मांग करना विपक्ष का राजनीतिक अधिकार है, लेकिन पद से हटाने की प्रक्रिया संवैधानिक और कानूनी प्रावधानों के अनुरूप ही हो सकती है। प्रतीकात्मक ‘जन महाभियोग जनता के बीच राजनीतिक संदेश देने का माध्यम हो सकता है, परंतु वह अपने आप में किसी संवैधानिक पदाधिकारी को हटाने की औपचारिक कानूनी प्रक्रिया का विकल्प नहीं है। रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली इंडिया गठबंधन के लिए अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने का अवसर भी होगी। चुनावी पारदर्शिता जैसे मुद्दे पर विपक्ष विभिन्न दलों को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रहा है। यदि गठबंधन इस अभियान को

केवल नारों और आरोपों तक सीमित रखने के बजाय प्रभावित मतदाताओं की शिकायतों, दस्तावेजी साक्ष्यों और सुधार के ठोस सुझावों से जोड़ता है, तो उसे व्यापक जन्मसमर्थन मिल सकता है।लेकिन विपक्ष के सामने एक चुनौती यह भी है कि जनता के सामने उसकी विश्वसनीयता केवल सरकार या चुनाव आयोग की आलोचना से नहीं बनेगी। उसे यह बताना होगा कि मतदाता सूची की त्रुटियों को दूर करने के लिए वह कौन-से व्यावहारिक उपाय चाहता है और नागरिकों के मतदान के अधिकार की रक्षा के लिए उसकी स्पष्ट कार्ययोजना क्या है। राजनीतिक दलों के लिए यह भी जरूरी है कि वे अपनी शिकायतों को संबंधित वैधानिक मंचों पर उठाएं और उपलब्ध कानूनी उपायों का उपयोग करें।वहीं, सत्तापक्ष और चुनाव आयोग की ओर से भी अपेक्षा की जाती है कि वे इस मुद्दे को केवल विपक्ष की राजनीति बताकर टालने के बजाय सार्वजनिक विश्वास को मजबूत करने वाले कदम उठाएं। लोकतंत्र में संस्थाओं की प्रतिष्ठा आलोचना से नहीं, बल्कि पारदर्शी कामकाज, जवाबदेही और निष्पक्ष आचरण से मजबूत होती है।

इंडिया गठबंधन की ‘दिल्ली चलो रैली और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रस्तावित प्रतीकात्मक कार्यक्रम का वास्तविक महत्व इस बात से तय होगा कि इससे मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया के अधिकारों को लेकर कितनी सार्थक चर्चा आगे बढ़ती है। केवल भीड़ जुटाना या राजनीतिक आरोपों को दोहराना किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। इसी तरह, शिकायतों को अनदेखा करना भी लोकतांत्रिक विश्वास के लिए उचित नहीं होगा। जरूरत इस बात की है कि मतदाता सूची से जुड़ी प्रत्येक गंभीर शिकायत की निष्पक्ष जांच हो, प्रभावित नागरिकों को न्याय मिले और चुनाव आयोग अपने निर्णयों तथा प्रक्रियाओं के संबंध में पर्याप्त पारदर्शिता बनाए रखे। विपक्ष को भी अपने आरोपों के समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए और राजनीतिक आंदोलन को संस्थागत सुधारों से जोड़ना चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती सत्ता पक्ष की जीत या विपक्ष की हार से नहीं, बल्कि इस विश्वास से तय होती है कि प्रत्येक पात्र नागरिक का मत सुरक्षित है और चुनाव प्रक्रिया कानून के अनुरूप निष्पक्ष ढंग से संचालित होती है। अंततः चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों और सरकार—सभी की जवाबदेही जनता के प्रति है। यदि ‘दिल्ली चलो अभियान इस जवाबदेही को मजबूत करने और मतदाता के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस पहल का माध्यम बनता है, तो इसका महत्व किसी एक रैली या राजनीतिक टकराव से कहीं अधिक होगा।

लैसडौन में कांग्रेस की न्याय यात्रा, अंकिता को न्याय दिलवाने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। लैसडौन पर्यटन नगरी लैसडौन में रविवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में न्याय यात्रा निकाली गई। यात्रा के दौरान गांधी चौक पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय लोग एकत्र हुए। इस दौरान ‘अंकिता को न्याय दे’ के नारों से क्षेत्र गुंज उठा। न्याय यात्रा में शामिल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अंकिता भंडारी हत्याकांड की निष्पक्ष जांच करने और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग उठाई। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि मामले में प्रभावशाली लोगों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार, भर्ती घोटालों और जनविरोधी नीतियों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा, न्याय और जवाबदेही के मुद्दों पर सरकार अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरी है। गोदियाल ने कहा कि अंकिता भंडारी प्रकरण केवल एक मामले तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रदेश की भेटियों की सुरक्षा और उन्हें न्याय दिलाने से जुड़ा गंभीर सवाल है। उन्होंने कहा कि



लैसडौन में कांग्रेस की और से निकाली गई न्याय यात्रा में शामिल पदाधिकारी

कांग्रेस इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी और न्याय की मांग को लगातार उठाती रहेगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रदेश

और नारों के बीच पार्टी नेताओं ने इन मांगों को लेकर अपना आंदोलन जारी रखने का संकल्प जताया।

की जनता मौजूदा सरकार से नाराज है और आगामी विधानसभा चुनाव में इसका जवाब देगी। यात्रा में पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी, कांग्रेस नगर अध्यक्ष रोशन शाह, कांग्रेस जिलाध्यक्ष गंभीर सिंह रावत सहित बड़ी संख्या में पार्टी नेता, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे। न्याय यात्रा के जरिए कांग्रेस ने अंकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय, महिला सुरक्षा और सरकार की जवाबदेही के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। गांधी चौक पर जुटी भीड़

दिव्यांग विद्यार्थियों की खेल प्रतियोगिताओं में दिखा उत्साह

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी: शिक्षा विभाग की ओर से ब्लॉक स्तर के विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग बालक-बालिकाओं के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मुख्यालय स्थित रॉसी स्टेडियम में शनिवार को आयोजित प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग कर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता की शुरुआत 400 मीटर रिले दौड़ के विभिन्न आयु वर्गों से हुई। इसमें सुजल और मोहित ने जीआईसी उज्याड़ी, रोहित ने एसवीएम तथा अशोक ने डीएवी इंटर कॉलेज की ओर से प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, अमित ने जीआईसी उज्याड़ी, कपिल ने डीएवी इंटर कॉलेज, ऋषभ ने इंटर कॉलेज परसुंडाखाल और अमन ने राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बाड़ा की ओर से दूसरा स्थान हासिल किया। चम्मच दौड़ में पिसोली स्कूल की आंचल ने

प्रथम और डीएवी इंटर कॉलेज की सौम्या जोशी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सॉफ्ट बॉल थ्रो प्रतियोगिता में जीआईसी उज्याड़ी के सुजल प्रथम, डीएवी इंटर कॉलेज के कपिल द्वितीय और जीआईसी उज्याड़ी के अमित तृतीय स्थान पर रहे। मनोरंजक खेल प्रतियोगिता में अमित ने पहला, अशोक ने दूसरा और कपिल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

वहीं, गुब्बारे उछालने की प्रतियोगिता में आंचल प्रथम और सौम्या जोशी द्वितीय स्थान पर रही। रस्साकशी प्रतियोगिता में सुजल, ऋषभ, अमित और अशोक की टीम ने जीत दर्ज की, जबकि मोहित, कपिल, महेश और सौम्या की टीम उपविजेता रही।

इससे पूर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन कनिष्ठ प्रमुख नीरज पटवाल ने किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य दिव्यांग विद्यार्थियों को खेल गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर प्रदान करना रहा।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: नवयुग पब्लिक स्कूल पदमपुर मोटाढांग में स्वर्गीय शैली नेगी स्मृति पर आयोजित बॉलीवाल प्रतियोगिता में नवयुग व एमकेवीएन की टीम ने फाइनल मुकाबले में प्रवेश किया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौडियाल ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या नीलम नेगी, संस्थापक हुकम सिंह नेगी एवं प्रशासिका अर्पिता नेगी ने मुख्य अतिथि का बैज, पुष्पगुच्छ और स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि नौडियाल ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास, मेहनत और अनुशासन से ही सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने खिलाड़ियों से उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करने का आह्वान किया। प्रतियोगिता में कुल 24 टीमों ने प्रतिभाग किया। क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल कोशल, आक्रमक रेड और मजबूत डिफेंस का प्रदर्शन किया। रोमांचक मुकाबलों को



आयोजित प्रतियोगिता के दौरान मुख्य अतिथि के साथ टीम

देखने के लिए दर्शकों में भी खासा उत्साह रहा। पहले क्वार्टर फाइनल में स्कॉलर्स एकेडमी ने राईजिंग सन को 34-21 से हराया। दूसरे मुकाबले में एमकेवीएन इंटरनेशनल ने बलूनी पब्लिक स्कूल को 31-17 से शिकस्त दी। तीसरे क्वार्टर फाइनल

में एवीएन ने ब्राइट कैरियर को 28-15 से पराजित किया। वहीं, चौथे मुकाबले में मेजबान नवयुग पब्लिक स्कूल ने एम.के.वी.एन. दुर्गापुरी को 39-9 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इन परिणामों के साथ स्कॉलर्स एकेडमी, एमकेवीएन और

नवयुग पब्लिक स्कूल ने अंतिम चार में जगह बनाई। बालिका वॉलीबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबलों में भी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। पहले सेमीफाइनल में नवयुग की टीम ने डेफॉडिल को कड़े मुकाबले में 2-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में एमकेवीएन ने बलूनी पब्लिक स्कूल को 2-0 से पराजित कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। बालिका वॉलीबॉल का फाइनल मुकाबला सोमवार को नवयुग और एमकेवीएन की टीमों के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के प्रदर्शन को देखते हुए मुकाबले के रोमांचक होने की उम्मीद है। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, अभिभावक और मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक अरुण नैथानी एवं मनदीप रावत ने किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में वॉलीबॉल कोच मनोज हरमना और संतोष ध्यानी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

पेट्रोल पंप से मारवाड़ी दुस्स्त होगा बदरीनाथ हाईवे

गोपेश्वर। बदरीनाथ हाईवे पर ज्योतिर्मठ के पेट्रोल पंप से मारवाड़ी तक 10 किलोमीटर लंबे हिस्से की सूरत जल्द बदलने वाली है। बदरीनाथ धाम की यात्रा संपन्न होने के बाद सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) इस हिस्से में युद्धस्तर पर सुधारीकरण कार्य शुरू करेगा। आगामी वर्ष मार्च तक सड़क का चौड़ीकरण और डामरीकरण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। बदरीनाथ हाईवे का अधिकांश हिस्सा ऑलवेदर रोड परियोजना के तहत डबल लेन में तब्दील हो चुका है लेकिन ज्योतिर्मठ के पेट्रोल पंप से मारवाड़ी तक का हिस्सा अब भी बदहाल है। यहां जगह-जगह भूधंसाव होने से सड़क उबड़-खाबड़ बनी है। इससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। बदरीनाथ धाम और हेमकुंड साहिब की यात्रा शुरू होने के बाद वाहनों का दबाव बढ़ने से इस क्षेत्र में जाम की समस्या भी बनी रही। वहीं सीमा सड़क संगठन के कमांडर कर्नल जितेंद्र सिंह ने बताया कि यात्रा संपन्न होते ही सड़क सुधारीकरण का काम दिन-रात किया जाएगा। आगामी वर्ष बदरीनाथ धाम की यात्रा शुरू होने से पहले चौड़ीकरण और डामरीकरण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। इसके लिए मौके पर पर्याप्त मजदूर और मशीनें पहुंचा दी गई हैं।

संकरे हाईवे पर खड़े किए ट्रक, लगा जाम

ज्योतिर्मठ। नगर क्षेत्र में संकरे हाईवे पर दो ट्रकों को खड़ा कर चालक आराम फरमा रहे थे। इससे हाईवे पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एक का चालान तो दूसरे को गिरफ्तार कर लिया। शाम की ज्योति विद्यालय के सामने दिल सिंह निवासी लालतपड़ डोईवाला व रुद्रप्रयाग के पीपली गांव निवासी राजेंद्र सिंह अपने-अपने ट्रक खड़े कर आराम करने लगे। इससे हेलंग की तरफ कब्ज आधा किमी जबकि बदरीनाथ की तरफ एक किमी लंबा जाम लग गया।वरिष्ठ उपनिरीक्षक विन्नर सिंह रावत ने मौके पहुंचे। चालक राजेंद्र सिंह ने गलती मानते हुए ट्रक हटा दिया, जिस पर पुलिस ने उसे 500 का चालान कर छोड़ दिया। जबकि दिल सिंह ने ट्रक हटाने से मना किया और पुलिस से उलझने लगा। उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर चालक को थपड़ मारने के आरोप लगाए जा रहे हैं जो पूरी तरह से निराधार हैं, यातायात नियमों की अवहेलना करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की गई है।

सिमली—गैरसैण हाईवे पर नहीं चलेंगे भारी वाहन

कर्णप्रयाग। भराड़ीसैण में विधानसभा सत्र के कारण सिमली-गैरसैण हाईवे पर भारी वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। यह प्रतिबंध 26 से 29 अक्टूबर तक प्रतिदिन सुबह छह बजे से रात आठ बजे तक लागू रहेगा। चमोली पुलिस ने भराड़ीसैण में होने वाले सत्र के लिए यातायात एडवाइजरी जारी की है। वीआईपी, जनप्रतिनिधियों और आम जनता की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है। गैरसैण से भराड़ीसैण नगर क्षेत्र के मध्य भारी मालवाहक वाहनों पर प्रतिबंध रहेगा। आवश्यक सामान पहुंचाने वाले वाहन रात आठ बजे के बाद आ सकेंगे। गढ़वाल से कुमाऊं जाने वाले मालवाहक वाहनों के लिए कर्णप्रयाग-सिमली-ग्वालदम मार्ग वैकल्पिक रहेगा। चमोली पुलिस ने सभी वाहन चालकों और व्यापारियों से सहयोग की अपील की है।

अधर में मोटर नगर बस अड्डा, गौरव सैनिकों ने दी आंदोलन की चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: कोटद्वार में प्रस्तावित मोटर नगर बस अड्डे का निर्माण पिछले 13 वर्षों से अधर में लटका हुआ है। इससे नागज गौरव सैनिक पैराशूट रेजिमेंट स्पेशल फोर्स सोसाइटी ने निर्माण कार्य शुरू नहीं होने पर रोष जताया है। गौरव सैनिकों ने कहा कि बस अड्डे का निर्माण पूरा होने से शहर में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और जाम की समस्या से निजात दिलाने में मदद मिलेगी। उन्होंने जल्द निर्माण शुरू कराने की मांग करते हुए मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

रविवार को तडियालचौक चौक स्थित एक रेस्टोरेंट में गौरव सैनिक पैराशूट रेजिमेंट स्पेशल फोर्स सोसाइटी की बैठक आयोजित की गई। इसमें मोटर नगर बस अड्डे के निर्माण सहित शहर की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि मोटर नगर बस अड्डे का निर्माण लंबे समय से लटका हुआ है, लेकिन अब तक इसका समाधान नहीं निकल पाया है। इसका खामियाजा शहरवासियों को यातायात जाम और अव्यवस्थाओं के रूप में भुगतना पड़



कोटद्वार में आयोजित बैठक में मोटर नगर बस अड्डे के निर्माण की मांग उठाते गौरव सैनिक पैराशूट रेजिमेंट स्पेशल फोर्स सोसाइटी के सदस्य।

रहा है। बैठक में वक्ताओं ने मोटर नगर बस अड्डे से जुड़े मुद्दे की जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 1957 में सितानपुर इंडस्ट्रियल एरिया की स्थापना हुई थी। इसके बाद वर्ष 1976 में 1,838 हेक्टेयर भूमि नगर पालिका को मिली। 23 मार्च 2013 को तत्कालीन नगर पालिका ने

पीपीपी मोड पर 1,5034 हेक्टेयर भूमि में आधुनिक बस टर्मिनल बनाने का कार्य रामेष्ठ कंस्ट्रक्शन कंपनी को सौंपा था। इस परियोजना को मार्च 2015 तक पूरा किया जाना प्रस्तावित था, लेकिन कंपनी ने अचानक निर्माण कार्य बंद कर दिया। वक्ताओं ने कहा कि इसके बाद

राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में कोटद्वार के मुक्केबाजों ने जीते 11 पदक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम कोटद्वार के छात्रावास के मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने तीन स्वर्ण, तीन रजत और पांच कांस्य सहित कुल 11 पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया। स्टेडियम प्रभारी एवं बॉक्सिंग कोच श्याम सिंह डांगी ने बताया कि पिथौरागढ़ स्थित सुरेंद्र सिंह वल्लिया स्पोर्ट्स स्टेडियम में 22 से 25 अक्टूबर तक राज्य स्तरीय आमंत्रण जूनियर एवं सब-जूनियर बालक-बालिका बॉक्सिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें कोटद्वार के खिलाड़ियों ने विभिन्न भार वर्गों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल किए। बालक वर्ग में अंशुमन ने 58 से

61 किलोग्राम भार वर्ग तथा शिवांक सैनी ने 61 से 63 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं, चेतन ऐर ने 50 से 52 किलोग्राम और प्रत्युष डोभाल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने तीन स्वर्ण, तीन रजत और पांच कांस्य सहित कुल 11 पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया। स्टेडियम प्रभारी एवं बॉक्सिंग कोच श्याम सिंह डांगी ने बताया कि पिथौरागढ़ स्थित सुरेंद्र सिंह वल्लिया स्पोर्ट्स स्टेडियम में 22 से 25 अक्टूबर तक राज्य स्तरीय आमंत्रण जूनियर एवं सब-जूनियर बालक-बालिका बॉक्सिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें कोटद्वार के खिलाड़ियों ने विभिन्न भार वर्गों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल किया, जबकि हंशिका ने 44 से 46 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता।

राष्ट्रीय स्तरीय खो- खो प्रतियोगिता में रेनबो एकेडमी का बेहतर प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: राष्ट्रीय स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर लौटी रेनबो एकेडमी की टीम का विद्यालय में सम्मान किया गया। इस दौरान खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें पढ़ाई के साथ खेलों में भी अपनी प्रतिभा निखारने के लिए प्रेरित किया गया।

उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के भैना स्थित बीएस इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में देश के विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में रेनबो एकेडमी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग में विद्यालय के खिलाड़ियों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के बाद विद्यालय पहुंची टीम को प्रबंधक हरेंद्र सिंह नेगी और प्रधानाचार्य मोहित नेगी ने सम्मानित किया। इस

बेस अस्पताल के लिए दूसरे दिन भी धरना

कर्णप्रयाग। बेस अस्पताल सिमली का शासनदेश जारी करने की मांग के लिए रविवार को सिमली जंगम में बेस अस्पताल सर्वेय समिति का धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। इस दौरान 27 अक्टूबर को विरोध के लिए मानव श्रृंखला बनाने के लिए 26 नवंबर को बैठक करने का निर्णय लिया गया। सर्वेय समिति के अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह नेगी के नेतृत्व में धरने पर बैठे जन प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने भराड़ीसैण में आयोजित विधानसभा सत्र के दौरान 27 अक्टूबर को प्रस्तावित मानव श्रृंखला के रूप में विरोध की रणनीति पर चर्चा की। समिति के अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह नेगी ने बेस अस्पताल का शासनदेश जारी करने के लिए भाजपा चमोली के जिलाध्यक्ष गजपाल बर्वाल के माध्यम से गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी और पूर्व सीएम और सांसद त्रिवेद सिंह रावत को ज्ञापन दिया।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ खेलों में भागीदारी भी जरूरी है। खेलों में विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास होता है। वहीं, टीम के कोच रमनदीप ने बताया कि अंडर-14 वर्ग में रेनबो एकेडमी के खिलाड़ियों ने टीजीए स्कूल आगम



प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करनी वाली रेनबो की टीम

अवसर पर प्रबंधक हरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि विद्यालय के विद्यार्थी पूर्व में भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल और शहर का नाम रोशन कर चुके हैं। उन्होंने कहा

और एसजीवीएम स्कूल की टीमों को पराजित किया। खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर विद्यालय परिवार ने खुशी जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



नवनि्युक्त अध्यक्ष का स्वागत करते सदस्य

वॉरेंड सिंह रावत को कोषाध्यक्ष, सुमनपाल सिंह रावत को सहसचिव तथा कमलेश चमोली को लेखाकार की जिम्मेदारी सौंपी गई। सिद्धांत

उनियाल को समिति का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। इस अवसर पर ज्येष्ठ प्रमुख उषेंद्र भट्ट ने कहा कि समिति के पदाधिकारियों का

उक्रांद ने ग्रामीणों के साथ किया श्रमदान, आंदोलन की भी चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि। जयहरीखाल विकासखंड के ग्राम गैराढ़ में लंबे समय से बंद पड़ी सड़क को खोलने के लिए उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) ने ग्रामीणों के साथ मिलकर श्रमदान अभियान चलाया। उक्रांद ने जिला पंचायत पर लगातार शिकायतों के बावजूद सड़क को सुचारु नहीं करने का आरोप लगाते हुए आंदोलन की चेतावनी दी। उक्रांद नेता बलवंत गुसाईं और संदीप रैतेला के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी गैराढ़ पहुंचे। यहां उन्होंने ग्रामीणों के साथ गेंती और फावड़े उठाकर बंद पड़े मार्ग को खोलने के लिए श्रमदान किया। इस दौरान ग्रामीणों ने सड़क बंद होने से हो रही परेशानियों से भी उन्हें अवगत कराया। उक्रांद नेताओं ने कहा कि कुछ वर्ष पूर्व बरसात के दौरान यह मार्ग बंद हो गया था। इसके बाद से ग्रामीणों की गांव से मुख्य मार्ग तक पहुंचने के लिए पैदल सफर करना पड़ रहा है। सड़क बंद होने से सबसे अधिक परेशानी बीमार



लोगों और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाने में होती है। ग्रामीण लंबे समय से जिला पंचायत और स्थानीय प्रशासन से मार्ग को सुचारु करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। उक्रांद नेता बलवंत गुसाईं ने कहा कि एक ओर सरकार पहाड़ों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर

ग्रामीणों को बंद पड़ी सड़कों के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिला पंचायत ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से नहीं ले रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही गैराढ़ की सड़क को सुचारु नहीं किया गया, तो उक्रांद ग्रामीणों के साथ मिलकर जिला पंचायत के खिलाफ आंदोलन शुरू करेंगे।

गारंटर बने व्यक्ति को तीन माह का कारावास, 91 हजार रुपये जुर्माना



कर्णप्रयाग। चेक बाउंस के एक मामले में न्यायालय ने ऋण के लिए गारंटर बने व्यक्ति को दोषी करार देते हुए तीन माह के कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 91 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। व्यक्ति की ओर से बैंक को दिया गया चेक बाउंस हो गया था। न्यायालय ने अर्थदंड में से 90 हजार रुपये बैंक को प्रतिकर के रूप में देने तथा शेष एक हजार

रुपये राजकोष में जमा करने का आदेश दिया है। अर्थदंड जमा नहीं करने पर आरोपी को 15 दिन का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा।

सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/एसीजेएम नदीम अहमद की अदालत में चले मामले के अनुसार एक व्यक्ति के पिता ने सरकारी बैंक से व्यवसाय के लिए 2.15 लाख रुपये का ऋण लिया था और उक्त व्यक्ति इस ऋण में गारंटर था। ऋण की बकाया राशि के भुगतान के लिए व्यक्ति की ओर से दिया गया 85,942 रुपये का चेक 31 मार्च 2026 को बाउंस हो गया था। चेक बाउंस होने के बाद आरोपी को कानूनी नोटिस भेजा गया लेकिन निर्धारित अवधि में भुगतान नहीं किया गया। न्यायालय ने दोनों पक्षों की दलीलों और उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद आरोपी को चेक बाउंस के तहत दोषी पाया। इसके बाद उसे तीन माह के कारावास की सजा सुनाई गई।

एक नजर नंदकेशरी—गवालदम मार्ग के लिए मिले 15 करोड़, फिर भी काम धीमा

देवाल। नंदकेशरी—गवालदम मार्ग के सुधारीकरण के लिए 15.6 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके बावजूद 18 किमी मार्ग पर सात माह में केवल 700 मीटर पर ही हॉटमिक्स का काम पूरा हो पाया है। 18 किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर गड्ढे और पुरते क्षतिग्रस्त हैं। मार्ग की स्थिति ठीक नहीं है। राज्य आंदोलनकारी नरेंद्र बिष्ट ने बताया कि यह मार्ग गढ़वाल—कुमाऊं का मुख्य मार्ग है। मार्च माह में काम शुरू हुआ था लेकिन आज तक पूरा नहीं हो पाया है। उन्होंने जिलाधिकारी से कार्य में तेजी लाने की मांग की। वहीं लोनिवि के अधिशासी अभियंता मनीष डोगरा ने कहा कि मार्ग पर हॉटमिक्स सहित अन्य काम किए जा रहे हैं। जेडी ग्रुप को समय पर सभी काम पूरे करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि 700 मीटर सड़क पर हॉटमिक्स हो गया है और 34 नए स्कपर भी बनाए गए हैं।

चंबा—मसूरी फल पट्टा धारकों ने नियमितोकरण की मांग

नई टिहरी। चंबा—मसूरी फल पट्टी प्रबंध समिति के सदस्यों ने बैठक कर सितारांज की तर्ज पर चंबा—मसूरी फल पट्टी में पट्टों का नियमितोकरण करने का प्रस्ताव पारित किया। समिति के अध्यक्ष अरविंद सिंह राणावत ने कहा कि सितारांज व कई अन्य जिलों के काशतकारों के फल पट्टों का नियमितोकरण कर दिया गया है। उन्होंने पट्टा धारकों को अनिवार्य रूप से अपने बगीचों में फलदार पेड़ लगाने को कहा। समिति के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह नेगी ने लोगों को सेब, अखरोट और कीवी के पौधे अपने बगीचों में लगाने के लिए प्रेरित किया। कहा कि समिति के सदस्य शीघ्र मामले में जिलाधिकारी को प्रस्ताव देंगे। साथ ही विधि विशेषज्ञों की राय भी ली जाएगी। उन्होंने पट्टा धारकों से लीज रेंट समय से जमा करने को कहा। कहा कि चंबा—मसूरी फल पट्टी में करीब 1200 काशतकार शामिल हैं। इस मौके पर निर्मला बिष्ट, दिनेश सिंह पुंडीर,दयाल स्मोला राजेंद्र नेगी, देव सिंह पुंडीर, संजय शर्मा, महेश डबराल, विक्रम चंद स्मोला, प्रवीन चंद स्मोला, दीपक नेगी आदि मौजूद थे।

सुरक्षित बचपन अभियान चलाया

कर्णप्रयाग। जिला बाल कल्याण समिति चमोली ने विकासखंड कर्णप्रयाग व गैरसैंस में सुरक्षित बचपन अभियान का आयोजन किया। यह अभियान इंटर कॉलेजों के छात्र—छात्राओं को जागरूक करने के उद्देश्य से चलाया गया। अभियान के तहत राईका मालसी, आदिबदरी और उज्जवलपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें छात्र—छात्राओं ने बड़—चढ़कर भाग लिया। बाल कल्याण समिति चमोली के सदस्य रakesh और अनीता सेमवाल ने इन कार्यक्रमों का आयोजन किया। छात्र—छात्राओं को बाल अधिकार, बाल कल्याण, लैंगिक अपराध से बालकों का संरक्षण, साइबर अपराध और मानव तस्करी जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। उन्हें नशा विरोधी समिति के बारे में भी बताया गया।

सूरज भान ने शिक्षाशास्त्र में हासिल की डॉक्टरेट की उपाधिकर्णप्रयाग। नगर पालिका क्षेत्र के गांधीनगर के युवा सूरज भान ने शिक्षा शास्त्र विषय में पीएचडी की उपाधि हासिल की। हेमवती नंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय से शोध निर्देशिका प्रोफेसर जीता खंडूड़ी के निर्देशन में उन्होंने पांच वर्ष की पीएचडी की। सूरज भान ने बताया कि उनका विषय माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के स्व—विनियमित अधिगम का उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं गृह वातावरण के संदर्भ में अध्ययन रहा। राजकीय महाविद्यालय गोपेश्वर से बीएससी और रसायन विज्ञान से एमएससी की जिसके बाद उन्होंने बीएड और श्रीनगर विश्वविद्यालय से एमएड किया।

एलाइंस एअर कुल्लू के लिए फिर शुरू करेगा सीधी उड़ान

जौलीग्रांट। विमानन कंपनी एलाइंस एअर पड़ोसी राज्य कुल्लू (हिमाचल प्रदेश) के लिए आगामी तीन नवंबर से एक बार फिर से अपनी सीधी उड़ान शुरू करने जा रही है। इससे कुल्लू से देहरादून और देहरादून से कुल्लू जाने वाले पर्यटकों, तीर्थ यात्रियों और अन्य लोगों को लाभ मिलेगा। एलाइंस एअर का 48 सीटर विमान सप्ताह में दो दिन मंगलवार और बुध्मतिवार को देहरादून और कुल्लू के बीच उड़ान भरेगा। देहरादून एयरपोर्ट पर 25 अक्टूबर से विंटर शेड्यूल लागू हो गया है। विंटर शेड्यूल लागू होने के पहले दिन रविवार को सभी उड़ानें ने बदले हुए समयानुसार आवाजाही की। विंटर शेड्यूल में करीब 19 उड़ानों को मंजूरी मिली है। जिसमें कुल्लू वाली उड़ान भी शामिल है। कुल्लू वाली उड़ान को आगामी 27 मार्च तक के लिए मंजूरी मिली है। तीन अक्टूबर को एलाइंस एअर का विमान सुबह 9:30 बजे देहरादून से उड़ान भरकर करीब एक घंटे बाद 10:30 बजे कुल्लू एयरपोर्ट पहुंचेगा। कंपनी ने तीन अक्टूबर को देहरादून से कुल्लू का प्रति व्यक्ति क्रिया 2,835 रुपये रखा है। इससे पहले एलाइंस



एअर ने 18 जून 2024 से देहरादून से कुल्लू के लिए अपनी उड़ानें संचालित की थी। काफी समय तक इस हवाई रूट पर उड़ानें संचालित करने के बाद कंपनी ने करीब छह माह पहले इस रूट पर अपनी उड़ानें बंद कर दी थी। अब एक बार फिर से देहरादून से कुल्लू के बीच हवाई सेवा शुरू होने जा रही है।

ऑनलाइन शॉपिंग की बढ़ती रफ्तार से बाजारों का कारोबार प्रभावित

ऋषिकेश। ल्योहारों के सीजन में जहां बाजारों में रौनक बढ़ने की उम्मीद रहती है वहीं ऑनलाइन खरीदारी के बढ़ते चलन ने स्थानीय कपड़ा व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है। शहर और ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं और युवतियां बाजारों में जाकर कपड़े खरीदने के बजाय ऑनलाइन शॉपिंग करना अधिक पसंद कर रही हैं। इसका असर स्थानीय कपड़ा कारोबार पर पड़ रहा है।

व्यापारियों का दावा है कि ऑनलाइन व्यापार के कारण उनके कारोबार में लगभग 50 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। घाट रोड के कपड़ा व्यापारी हर्षित गुप्ता और पवन शर्मा ने बताया कि ऑनलाइन खरीदारी का चलन तेजी से बढ़ रहा है। अब केवल शहरी क्षेत्र ही नहीं बल्कि ग्रामीण इलाकों की महिलाएं और

युवतियां भी घर बैठे कपड़ों की खरीदारी कर रही हैं। मोबाइल पर पसंद के कपड़े चुनने और घर बैठे ही सामान पहुंचने की सुविधा के चलते लोग बाजारों का रुख कम कर रहे हैं। इससे स्थानीय दुकानदारों के कारोबार पर सीधा असर पड़ रहा है। व्यापारियों का कहना है कि ल्योहारों के दौरान स्थानीय बाजारों से खरीदारी होने पर छोटे और बड़े व्यापारियों के साथ ही अन्य कारोबारियों को भी लाभ मिलता है। बाजार में खर्च होने वाला पैसा स्थानीय व्यापार और रोजगार को मजबूती देता है। इसके विपरीत ऑनलाइन खरीदारी बढ़ने से स्थानीय दुकानदारों के सामने कारोबार बनाए रखने की चुनौती खड़ी हो रही है। कपड़ा व्यापारियों ने लोगों से ल्योहारों पर स्थानीय खरीदारी करने की अपील की है।

कलाकारों ने बिखेरी नटराज नृत्य कला की छटा

ऋषिकेश। त्रिवेणी घाट स्थित एक होटल में शरद पूर्णिमा के अवसर पर नटराज नृत्य निकेतन ऋषिकेश ट्रस्ट की ओर से नटराज नृत्य महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में नटराज नृत्य निकेतन के 30 से अधिक बच्चों ने अपनी नृत्य प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं दूसरे राख्यों से आगे कलाकारों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया और अपनी प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम में चार चांद लगाए। महोत्सव में कथक के साथ भरतनाट्यम की प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र रही। वंदिता, पूजा, करिष्मा, आकृति और कीर्तना ने भरतनाट्यम के माध्यम से भारतीय शास्त्रीय नृत्य की सुंदरता को प्रस्तुत किया। भगवान शिव के नटराज स्वरूप की आराधना को समर्पित इस आयोजन में कला और आध्यात्मिकता का अनूठा



संगम देखने को मिला। नटराज नृत्य निकेतन की कथक शिक्षिका नैना जैन ने बताया कि महोत्सव

आरएसएस का प्रारंभिक वर्ग आयोजित, 55 स्वयंसेवक शामिल

कर्णप्रयाग। सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का प्रारंभिक वर्ग आयोजित किया जा रहा है। तीन दिवसीय इस वर्ग का समापन सोमवार को होगा। इसमें 55 स्वयंसेवकों ने भाग लिया है। शिविर में स्वयंसेवकों को संघ के कार्यों, विचारों और सामाजिक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। नगर कार्यवाह दिनेश कुनियाल ने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग का उद्देश्य स्वयंसेवकों में अनुशासन, सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भाव विकसित करना है। इस प्रशिक्षण से स्वयंसेवकों को समाज के प्रति समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। शिविर में मुख्य प्रशिक्षण वर्ग का गंभीरता से नहीं ले रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही गैराढ़ की सड़क को सुचारु नहीं किया गया, तो उक्रांद ग्रामीणों के साथ मिलकर जिला पंचायत के खिलाफ आंदोलन शुरू करेंगे।

बिन पार्किंग कनकचौरी में लगा रहा लंबा जाम

चोपता। कनकचौरी बाजार में उचित वाहन पार्किंग की व्यवस्था न होना अब कार्तिक स्वामी धाम आने वाले देश—विदेश के श्रद्धालुओं और स्थानीय जनता के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है। पार्किंग की उचित व्यवस्था न होने से रुद्रप्रयाग—पोखरी मार्ग पर जाम की स्थिति बन रही है जिससे श्रद्धालुओं समेत स्थानीय लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

मानसून सीजन के बाद मौसम साफ होते ही इनदिनों कार्तिक स्वामी मंदिर में यात्रियों की संख्या बढ़ने लगी है। मुख्य बाजार कनकचौरी में वाहन पार्किंग की उचित व्यवस्था नहीं है जिस कारण रुद्रप्रयाग—पोखरी मार्ग पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग जा रहा है। मजबूरन यात्रियों को पोखरी मार्ग पर ही वाहन खड़े करने पड़ रहे हैं। ऐसे में लग रहे जाम से यात्रियों व स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही है। कार्तिक स्वामी मंदिर समिति के अध्यक्ष विष्णु नेगी ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गत वर्ष स्यालसोड़ में कनकचौरी में वाहन पार्किंग निर्माण की घोषणा की थी



लेकिन प्रशासनिक लापरवाही के कारण यह घोषणा आज तक सिर्फ कागजों तक सीमित है और धरातल पर काम शुरू नहीं हो सका है।

उन्होंने कहा कि धाम में लगातार बढ़ रही यात्रियों की संख्या को देखते हुए पार्किंग स्थल का निर्माण कराया जाए।

लेखपालों के कार्य बहिष्कार से किसानों की बड़ी मुश्किलें

डोईवाला। बारिश और ओलावृष्टि से धान की फसल को हुए नुकसान के बाद किसान मुआवजे की मांग कर रहे हैं, लेकिन लेखपालों के कार्य बहिष्कार के कारण फसल क्षति का सर्वे और आकलन पूरा नहीं हो पा रहा है। इससे प्रभावित किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि नुकसान की भरपाई के लिए शासन—प्रशासन की ओर से उचित कार्रवाई नहीं की जा रही है। पिछले दिनों हुई भारी बारिश और ओलावृष्टि से धान उत्पादक किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा है। खेतों में खड़ी फसल प्रभावित होने से किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसे में किसान मुआवजे की उम्मीद लगाए बैठे हैं, लेकिन सर्वे पूरा नहीं होने से राहत मिलने में देरी की आशंका है।

दीपावली मेले में अनुषिका बनी मिस ऋषिकेश 2026

ऋषिकेश। लायंस क्लब ऋषिकेश रॉयल की ओर से श्रीदेव सुमन विश्व विद्यालय के ऋषिकेश परिसर मैदान में आयोजित लायंस दीपावली मेला 2026 आंटो एक्सपो और मिस ऋषिकेश प्रतियोगिता का हद्दिकार सांसद ने शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मिस ऋषिकेश 2026 प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपने आत्मविश्वास, व्यक्तित्व, प्रतिभा और मंच पर शानदार प्रस्तुति दी। कई मुकामबले के बाद अनुषिका को मिस ऋषिकेश 2026 के खिताब से नवाजा गया। प्रतियोगिता में प्रमंति ने प्रथम रनर— अप और हनी राणा ने द्वितीय रनर—अप का स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग नृत्य प्रतियोगिता नाइशा जैन प्रथम, आरोही द्वितीय और दिशी राजपूत तीसरे स्थान पर रही। नृत्य प्रतियोगिता वरिष्ठ वर्ग में नेविका पाल प्रथम, ऋषभ द्वितीय और अश्वत जोशी तीसरे स्थान पर रही।

गायन प्रतियोगिता में अवंत सिंह प्रथम, मोहित द्वितीय और श्रेया रावत तीसरे स्थान पर रही। मेले में आयोजित आंटो एक्सपो में विभिन्न वाहन कंपनियों की भागीदारी आकर्षण का प्रमुख



केंद्र रही। इसके अतिरिक्त विभिन्न व्यंजनों के फूड स्टॉल, बच्चों के लिए मनोरंजक गतिविधियां, मेहेदी प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, आकर्षक पुरस्कार और लकी ड्रॉ

आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक प्रेमचंद अग्रवाल,सागर श्रोवर, सुमित चोपड़ा, अतुल सिंघल, अभिनव गोयल, पंकज चंदानी आदि उपस्थित रहे।

पटाखा विक्रेताओं को सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश

ऋषिकेश। दीपावली पर्व को सुरक्षित संपन्न कराने और पटाखों की बिक्री के दौरान आगजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने तैयारी शुरू कर दी है। कोतवाली ऋषिकेश परिसर में प्रभारी निरीक्षक यशपाल सिंह बिष्ट ने पटाखा विक्रेताओं के साथ बैठक कर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि नियमों और लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। लाइसेंस में निर्धारित मात्रा के अनुसार ही पटाखों का भंडारण करना होगा। इसके अलावा बिक्री के लिए प्रशासन की ओर से निर्धारित और खुले स्थानों का ही उपयोग किया जाएगा। बाजारों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और सार्वजनिक मार्गों पर पटाखों की दुकानें या स्टॉल लगाने की अनुमति नहीं होगी। पुलिस ने सभी विक्रेताओं को अपनी दुकानों और स्टॉल पर अग्निशमन यंत्र, पानी से भरी पर्याप्त बाल्टियां और रेत या मिट्टी से भरी बाल्टियां रखने के निर्देश दिए। विद्युत उपकरणों और वायरिंग की सुरक्षा का ध्यान रखने के साथ स्टॉल के आसपास ज्वलनशील पदार्थ नहीं रखने की हिदायत भी दी गई।

यूएई में 240 करोड़ की लॉटरी जीतने वाले भारतीय ने बताया, कैसे बदली उनकी जिंदगी

दुबई,एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) निवासी भारतीय मूल के आईटी पेशेवर अनिल कुमार बोला ने 240 करोड़ की भारी- भरकम लॉटरी जीतने के बाद अपने जीवन और प्राथमिकताओं में आए बदलावों पर खुलकर बात की है। मूल रूप से तेलगाना निवासी अनिल ने 18 अक्टूबर 2025 को यूएई लॉटरी के लकी डे ड्रॉ में 10 करोड़ दिरहम यानी करीब 240 करोड़ रुपये का यह जैकपॉट जीता था। उस समय उनकी उम्र 29 साल थी। उन्होंने कुल 12 टिकट खरीदे थे, और उनके सभी सातों नंबर विजेता नंबरों से पूरी तरह मेल खा गए थे, जिससे वह रातोंरात करोड़पति बन गए। लॉटरी जीतने के बाद अनिल ने अपनी दौलत का इस्तेमाल सबसे पहले अपने परिवार के सपनों को पूरा करने में किया। उन्होंने अपनी मां की इच्छा पूरी करते हुए उनके लिए सोने के गहने खरीदे और खेती के शौकीन अपने पिता के लिए कृषि भूमि खरीदी, ताकि वे अपनी पसंद के अनुसार जैविक खेती कर सकें। हालांकि, उन्होंने अपने पुराने पैतृक घर को बदलने के बजाय उस वैसा ही रहने दिया क्योंकि वह उनके पिता की भावनाओं से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, उन्होंने भारत और यूएई दोनों जगह संपत्तियां खरीदी हैं और अब वे भविष्य के लिए नए कारोबार शुरू करने के अवसरों की तलाश कर रहे हैं।

जापान के बोनिन द्वीप समूह में 7.0 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

टोक्यो,एजेंसी। एशियाई देश जापान की धरती शनिवार, 24 अक्टूबर 2026 को एक बार फिर कांप उठी।अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूसएसएसएस) के अनुसार, जापान की राजधानी टोक्यो से लगभग 1000 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में स्थित बोनिन द्वीप समूह में 7.0 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप दर्ज किया गया। यह भूकंप स्थानीय समय के अनुसार शाम 4 बजकर 9 मिनट पर आया। भूकंप का केंद्र जापान के बोनिन द्वीप समूह के पास, राजधानी टोक्यो के दक्षिण में समुद्र के भीतर स्थित था, जिसकी गहराई जमीन से लगभग 492.4 किलोमीटर थी। इतनी अधिक गहराई पर आने वाले भूकंप के प्रभाव आमतौर पर सतह पर कम महसूस होते हैं, जिससे जान-माल का बड़ा नुकसान होने की संभावना कम हो जाती है। हालांकि, भूकंप की तीव्रता 7.0 होने के कारण इस पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अमेरिकी नेशनल वेदर सर्विस ने पुष्टि की है कि हवाई और प्रभावित क्षेत्रों के लिए सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, जिससे यह एक बड़ी राहत की खबर है। अब तक, जापान में इस भूकंप से किसी तरह के खान-माल के नुकसान या बड़ी क्षति की कोई खबर सामने नहीं आई है। जापान, जो प्रशांत रिंग ऑफ फायर पर स्थित होने के कारण अक्सर भूकंप का अनुभव करता है, अपनी कठोर भूकंपरोधी निर्माण तकनीकों और त्वरित आपदा प्रतिक्रिया प्रणालियों के लिए जाना जाता है। ये प्रणालियां ऐसे शक्तिशाली भूकंपों के प्रभावों को कम करने में सहायक सिद्ध होती हैं।

सऊदी अरब में दो बांग्लादेशी नागरिकों को मृत्युदंड, ढाका ने मांगी विस्तृत जानकारी

ढाका। सऊदी अरब के मक्का क्षेत्र में दो बांग्लादेशी नागरिकों को मृत्युदंड देने के मामले में बांग्लादेश सरकार ने सऊदी अधिकारियों से विस्तृत जानकारी मांगी है। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों नागरिकों को 14 अक्टूबर को मक्का की एक मस्जिद में कथित तौर पर अशोभनीय कृत्य करने के मामले में दोषी ठहराने के बाद मृत्युदंड दिया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, जेद्दा स्थित बांग्लादेशी महावाणिज्य दूतावास ने 19 अक्टूबर को सऊदी विदेश मंत्रालय की मक्का शाखा को राजनयिक पत्र भेजकर छह सवालों के जवाब मांगे। इसमें आरोपों का विवरण, घटना की तारीख और स्थान, गिरफ्तारी की तारीख तथा अदालत के फैसलों की प्रमाणित प्रतियां शामिल हैं।

ओबामा ने ट्रंप प्रशासन पर साधा तीखा निशाना

ईरान युद्ध से लेकर व्हाइट हाउस की साज-सज्जा तक पर घेरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मिडटर्म चुनावों की सरगमीं के बीच पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने डेमोक्रेटिक पार्टी के पक्ष में जोरदार मोर्चा संभाल लिया है। ओहायो में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ओबामा ने वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की नीतियों और कार्यशैली पर जमकर हमला बोला। उन्होंने बढ़ती महंगाई, ईरान के साथ युद्ध, विदेश नीति और व्हाइट हाउस में किए जा रहे बदलावों को लेकर ट्रंप को घेरा, और यहां तक कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पर भी व्यंग्य कसा।ओबामा ने ईरान के साथ जारी युद्ध को लेकर ट्रंप प्रशासन की रणनीति पर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने याद दिलाया कि उनके राष्ट्रपति कार्यकाल में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए एक कूटनीतिक समझौता किया गया था, जिसे उन्होंने बड़ी सफलता बताया था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन ने जब युद्ध शुरू किया, तब दावा किया गया कि इससे ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने में मदद मिलेगी, लेकिन सात महीने बाद अमेरिकी ठिकानों और सहयोगियों पर हमले हुए, अमेरिकी सैनिकों की जान गई और मिसाइलों का भंडार घटा। उन्होंने आरोप



लगाया कि ट्रंप प्रशासन ने देश को एक ऐसे अनावश्यक संघर्ष में उलझा दिया है, जिसकी भारी कीमत अमेरिकी नागरिकों को चुकानी पड़ रही है। पूर्व राष्ट्रपति ने अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का मजाक उड़ाते हुए उनकी दिखावटी जीवनशैली पर तंज कसा। ओबामा ने कहा कि देश की कमान ऐसे लोगों के हाथ में है, जो गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों को सुलझाने के बजाय दिखावे, बयानबाजी और दूसरों को नीचा दिखाने में लगे रहते हैं। उनके मुताबिक, ऐसे रवैये का खामियाजा अंततः आम अमेरिकियों को भुगतना पड़ता

डील नहीं होने पर ईरान पर हमला होना तय : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच गहराते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर तेहरान को कड़ी चेतावनी दी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान पर सैन्य हमला करने पर विचार कर रहा है, हालांकि इसके साथ ही दोनों देशों के बीच बड़ा समझौता होने की संभावना भी पूरी तरह खारिज नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन मुख्य सवाल यह है कि क्या वह इसकी शर्तों का ईमानदारी से पालन करेगा। वहीं, दूसरी ओर ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने अंतरिम समझौते को लेकर बातचीत टूटने के लिए सीधे तौर पर अमेरिका की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है। ट्रंप ने संभावित सैन्य कार्रवाई पर कहा



कि अमेरिका इस पर विचार कर रहा है और संभव है कि रविवार को ही कोई कड़ा कदम उठाया जाए। हालांकि, उन्होंने हमले की योजना के बारे सीधे तौर पर कुछ भी बताने से इंकार कर दिया। ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास

अमेरिका के साथ समझौता कर आगे की तबाही से बचने का पूरा विकल्प है। उन्होंने कहा कि उनका एकमात्र उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान भविष्य में कभी परमाणु हथियार विकसित न कर सके। उन्होंने कहा कि वह इस

सीएम बोलीं- रेप पीड़िता को 2 करोड़ का ऑफर दिया आरोपी की जमानत के लिए जज ने ली रिश्त

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अजरबैजान की 20 वर्षीय महिला से कथित सामूहिक दुर्कर्म के मामले ने एक सनसनीखेज मोड़ ले लिया है, जिसने देश की न्याय व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने सीधे तौर पर एक जज पर मुख्य आरोपी अहमद तनवीर को जमानत दिलाने के लिए रिश्त लेने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पीड़िता को अपनी शिकायत वापस लेने

के बदले लगभग दो करोड़ पाकिस्तानी रुपये (लगभग 70,000 अमेरिकी डॉलर) की पेशकश की गई थी। इन गंभीर आरोपों के बीच, पुलिस ने मुख्य आरोपी अहमद तनवीर को शुक्रवार को अदालत से जमानत अवधि बढ़ने के बावजूद नाटकीय ढंग से सत्र अदालत परिसर के बाहर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, अजरबैजान के बाकू की रहने

वाली 20 वर्षीय यह महिला सितंबर के मध्य में व्यापारिक उद्देश्य से पाकिस्तान आई थी। 25 सितंबर को लाहौर के डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी इलाके में उसे एक कैफे में बुलाया गया, जहां से उसे एक फ्लैट में ले जाकर शराब पिलाई गई और फिर सामूहिक दुर्कर्म किया गया। इस मामले में पहले दो पुरुष आरोपियों और दो महिला सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि अहमद तनवीर

जमानत पर था। मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने अहमद तनवीर की गिरफ्तारी को सही ठहराते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, कोई भी बलात्कारी या अपराधी केवल इसलिए न्याय से बच नहीं सकता कि उसके पास पैसा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आरोपी के संपन्न परिवार ने पीड़िता को आरोप वापस लेने के बदले दो करोड़ पाकिस्तानी रुपये देने की पेशकश की थी, जबकि उसका बयान दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के तहत पहले ही दर्ज हो चुका था।

पुलिस को धन्यवाद देते हुए बोलीं मेलोनी- प्रदर्शन ठीक पर हिंसा और अराजकता बर्दाश्त नहीं

- इटली के कई शहरों में महंगाई, सैन्य विस्तार और रक्षा खर्च बढ़ाने के खिलाफ प्रदर्शन**
- रोम और ट्यूरिन में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प**

रोम, एजेंसी। इटली में महंगाई, बढ़ते सैन्य खर्च और सेना के विस्तार के विरोध में शनिवार को कई शहरों में प्रदर्शन हुए। कुछ स्थानों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव भी हुआ। इस बीच, प्रधानमंत्री जोर्जिआ मेलेोनी ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस तथा सुरक्षा बलों की सलाहना की। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन का

अधिकार हमेशा सुरक्षित रहना चाहिए, लेकिन नागरिकों को अपने शहरों में सुरक्षित माहौल में रहने का अधिकार भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। मेलेोनी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने देश के विभिन्न शहरों और सार्वजनिक स्थानों पर नागरिकों की सुरक्षा तथा शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार को बनाए रखने के लिए काम किया। कुछ लोगों की ओर से झड़प और अव्यवस्था फैलाने की कोशिशों के बावजूद उन्होंने अपनी जिम्मेदारी निभाई। प्रधानमंत्री ने गृह मंत्री माटेओ पियान्तेडोसी, प्रीफेक्टस, क्रैस्टर्स और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की

कार्रवाई में समन्वय करने वाले अधिकारियों की भी सराहना की। हिंसा रोकने के लिए प्रभावी कदमों पर जोर मेलेोनी ने कहा कि मंत्रिपरिषद की ओर से हाल ही में मंजूर किए गए कदमों का उद्देश्य हिंसा रोकने और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य को अधिक प्रभावी साधन उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा सभी के लिए जरूरी है—उन लोगों के लिए भी जो शांतिपूर्वक प्रदर्शन करना चाहते हैं, उनके लिए भी जो काम करते हैं और उनके लिए भी जो बिना किसी डर के अपने शहरों में रहना चाहते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि टकराव और हिंसा फैलाने वालों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने

केन्या में भीषण सड़क हादसा : बस और ट्रक की टक्कर में 22 लोगों की मौत, कई घायल

माकुएनी , एजेंसी। अफ्रीकी देश केन्या में रविवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में करीब 22 लोगों की मौत हुई, जबकि कई अन्य घायल हैं। यह दुर्घटना राजधानी नैरोबी को तटीय शहर मोम्बासा से जोड़ने वाले मुख्य राजमार्ग पर बस और ट्रक की टक्कर के कारण हुई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस के मुताबिक, बस में सवार यात्री अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद लौट रहे थे। तभी बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। ट्रकर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। दुर्घटना में 22 लोगों की जान चली गई। अधिकारियों ने आशंका है कि घायलों की स्थिति गंभीर होने के कारण मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

ब्रिटेन ने नागरिकों को तीन दिन के आपातकाल में रहने की सलाह

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन सरकार ने हाल ही में अपने नागरिकों को एक अप्रत्याशित सलाह जारी कर आपातकालीन तैयारी के लिए सचेत किया है। बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों, खराब मौसम की आशंकाओं और साइबर हमलों के खतरे को देखते हुए, सरकार ने अपनी नई ‘बी रेडी’ मुहिम के तहत लोगों से आपात स्थिति के लिए कम से कम तीन दिन का भोजन और पर्याप्त पानी जमा रखने का आग्रह किया है। इस घोषणा का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी बड़ी आपदा या आवश्यक सेवाओं के ठप होने की स्थिति में परिवार 72 घंटे तक अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी कर सकें। सरकार की सलाह के मुताबिक, हर व्यक्ति के लिए योजना लगभग 3 लीटर पानी की व्यवस्था होनी चाहिए, जिसका अर्थ है तीन दिनों के लिए 9 लीटर पानी का भंडारण। दुर्घटना में 22 लोगों की जान चली गई। अधिकारियों ने आशंका है कि घायलों की स्थिति गंभीर होने के कारण मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

कहा गया है। जानकारी के अनुसार, बिजली, इंटरनेट या भुगतान सेवाओं के बाधित होने की स्थिति में ये वस्तुएं बेहद मददगार साबित हो सकती हैं। सरकार की इस चेतावनी के पीछे कई गंभीर कारण हैं। सरकार को आशंका है कि भविष्य में चरम मौसमी घटनाओं, ऊर्जा संकट या अंतरराष्ट्रीय तनाव से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। ब्रिटेन ने हाल के वर्षों में कई शक्तिशाली तूफानों का सामना किया है, जिसने हजारों घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। जनवरी में आए तूफान गेरेटी के दौरान भी मिडलैंड्स, दक्षिण-पश्चिमी इंग्लैंड और बुनियादी जरूरतें पूरी कर सकें। सरकार की सलाह के मुताबिक, हर व्यक्ति के लिए योजना लगभग 3 लीटर पानी की व्यवस्था होनी चाहिए, जिसका अर्थ है तीन दिनों के लिए 9 लीटर पानी का भंडारण। दुर्घटना में 22 लोगों की जान चली गई। अधिकारियों ने आशंका है कि घायलों की स्थिति गंभीर होने के कारण मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

दुनिया का सबसे बड़ा बैटरी से चलने वाला जहाज ‘चाइना जोरिल्ला’ सेवा में शामिल

-130 मीटर लंबा जहाज ले जा सकता है 2,100 से अधिक यात्रियों और 225 वाहनों को

ब्यून्स आयर्स,एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े बैटरी-इलेक्ट्रिक जहाज ‘चाइना जोरिल्ला’ ने आधिकारिक तौर पर सेवा शुरू कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया में इकैट कंपनी द्वारा निर्मित यह जहाज दक्षिण अमेरिकी कंपनी बुकेबस के लिए संचालित होगा। इसका नाम उरुग्वे की प्रसिद्ध अभिनेत्री चाइना जोरिल्ल के नाम पर रखा गया है।

जहाज की लंबाई 130 मीटर और चौड़ाई 32 मीटर है। इसमें एक साथ 2,100 से अधिक यात्रियों और 225 वाहनों को ले जाने की क्षमता है। इसकी सबसे प्रमुख विशेषता इसका बैटरी आधारित संचालन है। इसमें 250 टन से



अधिक वजन की बैटरियां और 40 से 43 मेगावाट-घंटे की ऊर्जा भंडारण प्रणाली लगाई गई है। यह जहाज अर्जेंटीना की राजधानी ब्यून्स आयर्स और उरुग्वे के बीच रिवर प्लेट मार्ग पर चलेगा। इसके

आठ इलेक्ट्रिक वाटरजेट इंजन लगभग 25 समुद्री मील की गति प्रदान कर सकते हैं।

पूरी तरह बैटरी से संचालित होने के कारण जहाज के परिचालन के दौरान प्रत्यक्ष धुआं और निकास

कष्ट में ही होते हैं प्रभु के दर्शन

मैं को सदैव कष्ट में ही प्रभु के दर्शन हुए है। अतः सच्चा भक्त भगवान से दुःख ही दुःख मांगता है। संकट का समय भक्त की परीक्षा काल होता है। नृसिंह भगवान के दर्शन प्रह्लाद को दुःख ही हुए थे। ध्रुव यदि अपनी सौतेली माँ से अपमानित न होते तो उन्हें प्रभु-प्राप्ति कैसे होती। अहिल्या पाषाण-मूर्ति होकर ही प्रभु-स्पर्श की अधिकारिणी बनकर प्रभु को प्राप्त कर सकी। प्रभु अपने प्रिय भक्तों के संकट देख नहीं सकते। उन्हें भक्त की आर्त पुकार सुनकर नीचे पैर दौड़कर आना ही पड़ता है। भगवान श्री कृष्ण गीता में कहा है। कि सगुणोपासक भक्तों की भगवान नहीं शिशु की तरह रक्षा करते हैं। अतः ज्ञान पाकर भी पंडित भक्ति नहीं छोड़ते। भक्ति मार्ग में सबसे सरल, सुगम, साधन प्रभु का नाम-स्मरण बताया गया है। पूर्ण स्नेह प्रभु के अधीन हो उनके नाम स्मरण से जीव को शाखत सुख की प्राप्ति होती है। कलियुग में भवसागर पार करने का एक मात्र सुगम साधन यही है। गोरवामी तुलसी दास जी ने श्री राम चरित मानस में प्रभु के नाम-स्मरण की महिमा का स्थान-स्थान पर वर्णन किया है। भगवान नाम-साधना एवं भगवान नाम स्मरण से प्राणी में अलौकिक दिव्य प्रकाश का उदय होता है। जिसकी विद्या के अग्रभाग में हरि यो अक्षर विराजमान रहते हैं वह विष्णुलोक को प्राप्त करता है। ऐसे मनुष्य का पुनः जन्म नहीं होता। साधक जो फल तपस्या, योगाभ्यास और समाधि द्वारा भी प्राप्त नहीं कर पाता वह फल केवल हरिनाम- कीर्तन के अत्यन्त सरल उपाय से तत्काल प्राप्त कर लेता है। कलियुग में तो हरिनाम कीर्तन की ही विशेष महिमा है।



भगवन्मय है सारा संसार



जन्म योगलुपता के अहंकार ने हमारे ज्ञान को ढक लिया है और चारों ओर से इस अंधकार को और भी धन करने की भरसक कोशिश हो रही है। इस अंधकार की घनता को ही ज्ञान का प्रकाश कहा जाता है। मनुष्य की वृद्धि आज उल्लू और चमगादड़ की दृष्टि जैसी हो गई है। जैसे इन पक्षियों को दिन में अंधेरा और रात को प्रकाश नजर आता है, वैसे ही हमें आज अंधकार में ही प्रकाश का भ्रम हो रहा है। इसी से हम ' कामोपयोगपरायण होकर सैंकड़ों आशा की फासियों में बंधे हुए काम-क्रोधदि साधनों से 'कामयोगार्थ' अन्यायपूर्वक अर्थ प्राप्ति के उपायों में लगे रहे हैं। मोह ने हमें धेर लिया है, अधिमान ने हमें अधा कर दिया है। लोग ने हमारी वृत्ति को बिगाड़ दिया है। मद ने हमें उन्मत्त बना दिया है। इसी से हम आज अहंकार, क्ल, दर्प, काम, क्रोध का आश्रय लेकर सर्वभूतस्थित भगवान के साथ देश करने लगे हैं। इन आसुरी भावों का परिणाम नरक को बेंगणाएँ और अधम गति के सिवा और क्या हो सकता है? उपाय क्या है? उपाय है भगवद्भक्तियोग जिन लोगों को भगवान में कुछ भी विश्वास है वे सबकी ऐसी वृद्धि होने के लिए भगवान से सरल श्रद्धायुक्त आकृषि प्रार्थना करें, उठते हुए भगवद् विद्या को अपने शुभ आचरण और सच्ची भक्ति के द्वारा फिर जगत् भगवत् श्रद्धा के सूखते हुए वृक्ष की जड़ को सच्ची निर्भरता की अश्रुजल-धारा से खोचे। आपलवचनों पर श्रद्धा करें। ऋषिमुनियों को भ्रान्त मानना छोड़ दें। जीवन को तप संवम से पूर्ण बनाकर भगवन् कृपा का आश्रय ग्रहण करें। अटल विश्वास तथा परम श्रद्धा के साथ भगवान के श्रीचरणों की सेवा करें। और उनके पवित्र नाम का जाप करें। मनुष्य को सावधान होकर यह सोचना चाहिए कि यहां सभी योग-सुख अनित्य है, बिजली की भांति चंचल है। शरीर कच्चे घड़े के समान अचानक जरा सी ठेस लगते ही नष्ट हो जाने वाला है। इसलिये भोगों से मन हटाकर भगवान में प्रेम करें । संसार के लिए भगवान को भी न भुलाया जाए। भगवान के लिए संसार को छोड़ना पड़े तो आपत्ति नहीं, परंतु संसार के लिए भगवान कभी न हटें। यदि मनुष्य इस प्रकार निश्चय कर ले तो फिर संसार को छोड़ने की भी जरूरत नहीं पड़ती सारा संसार भगवन्मय ही तो है।

प्रभु सर्वान्तर्यामी है

हय में परमात्मा का अनुभव हो जाने पर कण कण में वही नजर आता है यही सच्चा अनुभव है परमात्मा सम्पूर्ण दिव्य गुणों से युक्त होते हुए भी सम्पूर्ण गुणों से परे है निलिप्त है, इसलिए उन्हें निर्गुण कहा गया है बुद्धिप्रधान व्यक्ति ज्ञानमार्ग का आश्रय लेकर परमात्मा को निर्गुण मानता है परन्तु हृदयप्रधान भालुक भक्त परमात्मा को सगुण मानता है। निराधार नाम, रूप, गुण के अभाव में प्रभु तारतम्य कैसे हो सकता है ? प्रेमाभक्ति के द्वारा जीव भगवान से जुड़ जाता है भक्ति का अर्थ भगवान से योग बताया गया है। सम्पूर्ण जगत व्याप्त परमात्मा की सत्ता का ज्ञान तथा आनन्द हमारे संबंध को जगत से विभक्त करके भगवान के साथ संबंध कराते हैं यही भक्ति है। प्रेमपूर्वक भजन करना भक्ति है ऐसी स्थिति में भगवान के अलावा समस्त सांसारिक बंधन उसके लिए गीण हो जाता है। संसार में यदि भक्त का किसी और से कहीं भी संबंध है तो वह केवल भगवान के नाते ही है। भगवान के साथ सेवा प्रेम एवं विश्वास का संबंध जोड़ लेना ही भक्ति योग है। योग अर्थात् जुड़े रहना, अनवरत प्रयत्नशील रहना। चेतना अथवा अचेतावस्था प्रत्येक समय स्थायीस्व से भक्ति भावना का बने रहना शुद्ध भक्ति है। जैसे परिवार के सदस्यों के प्रति सोते, जागते, उठते, बैठते एक स्थायी प्रेम सदा बना रहता है। पुत्र पस हो या दूत, उसका प्रेम तो उतना ही रहता है। वह प्रेम विस्मृति से नष्ट नहीं होता। यह रागात्मक संसार है। भक्ति भी ऐसी ही होनी चाहिए। ऐसी भक्ति रखने वाले भक्त के पीछे स्वयं भगवान चक्कर लगाते हैं निर्बल साधक के लिए शरणगत होकर प्रभु का स्मरण करना ही एकमात्र अवलम्बन रहता है जिस प्रकार मछली जल के लिए तड़पती है जैसे पुत्रशोक के विहल होकर माता पिता आकुल व्याकुल होते हैं उसी प्रकार सच्चा साधक प्रभु के लिए मन ही मन तड़पता रहता है। उसके लिए सुख दुःख समान हो जाते हैं। वह सब कुछ कुशाग्रपन कर केवल भक्ति मांगता है उसे विश्वास रहता है कि प्रभु सर्वान्तर्यामी है वे जो कुछ करेंगे उसके हित में ही करेंगे।

मनुष्य सुख प्राप्ति के यत्न में उलझा

जि स और मन की गति होती है। उसी ओर प्राणशक्ति का प्रवाह होता है। यदि आप चुपचाप बैठे हुए अपने-आप में कुछ बाहर संसार की सोच रहे हैं। तो ऐसी सोच करने की अवस्था में आपका प्राण भी अपने ही प्रकार से कुछ घुटा-घुटा सा चलता है। परंतु जब आप चिंता रहित की अवस्था में बैठे हैं तो उस समय आपका प्राण भी बड़े आराम से चलता है। कारण कि मन बाहर की उलझन से रहित होकर किसी प्रकार की भी सोच न करता हुआ अपने आप में अंदर रहता है। जिस-जिस प्रकार से मनुष्य के अंदर भय,शोक, राग, द्वेष आदि का कोई ज्ञान होता है। तो उसी ज्ञान के दृग से उसके अंदर उसकी प्राण शक्ति अर्थात् देह का काम चलाने वाली क्रियाशक्ति करती है। यदि आपका ज्ञान बाहर के प्राणी तथा पदार्थों में भटका हुआ है। तो समझो उसके साथ आपका श्वास भी बाहर ही भटक रहा है। जब प्राण बाहर के ज्ञान के साथ, भटका हुआ है तो उसकी शक्ति भी बाहर ही भटकी हुई रहेगी। वह अपने अंदर एकत्रित नहीं हो पायेगी। यदि मन बाहर संसार से बिना किसी निमित्त के मुक्ति पा जाय तो उसका बाहर से मुक्त प्राण भी देह के अंदर एकत्रित होगा और उस प्राण शक्ति का अपने अंदर ही इकट्ठा होने का सुख होगा, जैसा कि निद्रा में होता है। परंतु वक्ते को तो बचपन से ही बाहर से प्राणी तथा पदार्थों के सहारे ही सुख लेने की आदत पड़ी हुई है। और इन तुच्छ सुखों के माप तथा अंतिम परिणाम के बारे में उसका कुछ भी ज्ञान नहीं है। यदि यह ज्ञान कोई मनुष्य अपने अंदर जगा ले कि बाहर के प्राणियों एवं पदार्थों से मिलने वाले सुख थोड़ी देर रहने वाले हैं। और उतन में ये सुख-दुःखों में ही समाप्त होते हैं। तो इस प्रकार का अन्तर्ज्ञान होने का नाम ही विवेक या सत्य का ज्ञान है। यदि इस ज्ञान से उसकी बाहर से मुक्ति हो जाय अर्थात् मन संसार में कहीं भी बंधा न रहे तो उसकी प्राणशक्ति भी अपने आप अंदर सुख ही प्रकट करेगी। परंतु मनुष्य बाहर संसार में ही उलझा-उलझा कर्म करता हुआ सुख प्राप्त करने का यत्न करता रहता है।

कर्म अपनी छाप छोड़ता है

मनुष्य बाह्य संसार में जो कुछ भी कर्म जैसे रिश्ते-नाते जोड़ता तथा कई प्रकार के पदार्थों के साथ ही उनको प्राप्त करने के लिए संबंध जोड़ना इत्यादि करता है या अभी तक उसने किया है, वे सब कर्म वही पर करने के साथ समाप्त नहीं हो जाते अर्थात् प्रत्येक किया गया कर्म अपनी एक छाप अंदर छोड़ जाता है। अब उन सब किये गये कर्मों ने आपके अंदर एक ऐसी शक्ति खड़ी कर दी है। जिसको प्रकृति से बंधने वाला एक रस्सा भी कहते हैं। इस प्रकृति शक्ति के कारण बाहर का भटकना मनुष्य को अंदर ही अंदर आत्मा का सुख पाने के लिए खोखला कर देता है अर्थात् असमर्थ बना देता है और उसकी अपना आपा कुछ खोया-खोया सा अनुभव में संसार में नहीं है। इस अवस्था में उस बाह्य संसार में अधिक भटकते हुए मनुष्य को कोई सुख का अनुभव नहीं होता है, यही उसके अंदर दुःख है। इस दुःख से बचने के लिए वह फिर संसार में प्राणी तथा पदार्थों से ही संबंध जोड़ता है। ताकि दुःख के स्थान पर वही पुरानी आदतों का कुछ सुख तो मिले। संसार के जिन प्राणियों एवं पदार्थों के संबंध में थोड़ा सुख मिला है मन केवल उन्हीं की स्मृतियां अपने अंदर लिये बैठा है। और वह थोड़ा सा कभी मिला हुआ सुख उसके मन से अब उतरता ही नहीं है अर्थात् मन के अंदर वह पुनः सुख लेने की लालच चिपकी हुई है जो कि बाह्य संसार में उसको बांधे हुए है। सुख को आप छोड़ दें तो उधर संसार का चिंतन ही समाप्त हो जाय और मन अपने आप में लौटना शुरू कर देगा। परंतु आलस्य, सुस्ती के कारण अधिज्ञान में पड़ने के बाद प्रकृति तो उन्हीं पुराने सुखों के संस्कार ही जगायेगी। जो अपने अंदर लिये बैठी है और बाहर संसार के प्राणी एवं पदार्थों की सोच करने के लिए प्रेरित करेगी।

आज भोगों के लिए तप होते है

हमारा पूरा जीवन ही भौतिकवादी हो गया है। ब्राह्म वस्तुओं के लिए, इन्द्रिय भागों के लिए वह बिक गया है। मांस के टुकड़ों के लिए चील-कौओं की भीति लड़ाई होने लगी है। किसी जमाने में परमात्मा प्राप्ति के लिए तप किए जाते थे लेकिन आज भोगों की प्राप्ति के होते हैं। कभी भगवान के प्रति आत्म समर्पण होता था, आज भोगों की प्रतिमा पूजी जाती है। कभी देहात्मबोध छोड़कर ब्रह्मात्मबोध किया जाता था अब ब्रह्माबोध की जरूरत नहीं समझी जाकर उस रास्ते के पथिकों को भी देहात्मबोध की शिक्षा दी जाती है। बड़े-बड़े मनीषी तपस्वी संन्यासी पुस्त्र भी आज भोगों की प्राप्ति करने-कराने के लिए जीवन की और धर्म की बाजी लगाये बैठे हैं। एवं इसी को धर्म समझा जा रहा है। पर योगपरायणता-इन्द्रिय सुख परता का परिणाम क्या होता है। मनुष्यों में राक्षसी भावों का उदय, द्वेष-हिंसा प्रविर्हिंसा का प्राबल्य, घोर अशान्ति और सुख के नाम पर दुःख पूर्ण जीवन यापन इसका प्रत्यक्ष प्रमाण भोग सुख और भौतिक सत्ता सामर्थ्य से सम्पन्न समुन्नत कहने वाले देशों की भी बुरी दशा है। परंतु इस दशा को देखना होगा ईश्वरामिमुखी ज्ञान सम्पन्न ल-पि-नेगों पर जाले तो छा ही गये हैं। चाहे वह बुरी-से बुरी हों ऐसा जादू छाया है कि उसने हृदय को ही पराया बना दिया। इसी के परिणाम-स्वरूप आज हम वहां के अनाचार में सदाचार पाप में पुन्य, स्वार्थभत्ता में देशभक्ति, अवनति में उन्नति अधम में धर्म और पतन में उत्थान का विपरीत हृदय देख रहे हैं। और बस और उसी के प्रवर्तन की अन्धचेष्टा में तत्पर हैं।



विकासनगर मे यमुना नदी पर खनन का आरोप

विकासनगर। जनपद देहरादून के विकासनगर क्षेत्र के डाकपत्थर में यमुना नदी में कथित अवैध खनन का मामला सामने आया है।

स्थानीय लोगों ने नदी में खनन गतिविधियों को लेकर चिंता जताई है। उनका आरोप है कि पुलिस चौकी से महज 500 मीटर की दूरी पर भी खनन माफिया सज्जि हैं। यदि ये आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह संबंधित विभागों की निगरानी और कार्रवाई की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। स्थानीय स्तर पर सामने आए इस मामले ने यमुना नदी के संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर बहस तेज कर दी है। नदी क्षेत्र में खनन से जुड़े आरोपों की निष्पक्ष जांच और मौके का वास्तविक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है।

पुलिस चौकी के नजदीक खनन, निगरानी पर सवाल

स्थानीय लोगों के अनुसार, डाकपत्थर क्षेत्र में यमुना नदी के आसपास कथित खनन



गतिविधियां चिंता का विषय बनी हुई हैं। लोगों का सवाल है कि यदि नदी क्षेत्र में नियमों के विपरीत खनन हो रहा है, तो इस पर समय रहते प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है?पुलिस चौकी से कथित तौर पर इतनी कम दूरी पर खनन गतिविधियां होने की बात सामने आने के बाद पुलिस, खनन विभाग और प्रशासन की भूमिका को लेकर

सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, खनन की वैधता, संबंधित स्थान पर अनुमति की स्थिति और जिम्मेदार व्यक्तियों के संबंध में आधिकारिक पुष्टि होना अभी आवश्यक है। **यमुना नदी के अस्तित्व और पर्यावरण पर चिंता** यमुना नदी उत्तरखंड की महत्वपूर्ण प्राकृतिक धरोहरों में शामिल है। नदी क्षेत्र में

अनियंत्रित या नियमों के विरुद्ध खनन होने पर नदी के प्राकृतिक स्वरूप, तटों की स्थिरता और आसपास के पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। ऐसे में खनन गतिविधियों की नियमित निगरानी और नियमों का पालन सुनिश्चित करना संबंधित विभागों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। स्थानीय लोगों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन को मौके का निरीक्षण करना चाहिए, खनन की अनुमति और सीमाओं की जांच करनी चाहिए तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए।

स्थानीय लोगों ने उठाई आवाज, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

इस मामले में स्थानीय लोगों की बात और उनके अनुभव महत्वपूर्ण हैं। क्षेत्रवासियों का पक्ष सामने लाने के उद्देश्य से उद्घाटन या रहे सवाल यह हैं कि यमुना नदी में खनन की स्थिति क्या है, क्या संबंधित गतिविधियों के लिए वैध अनुमति है और यदि अनियमितता पाई जाती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ क्या कदम उठाए जाएंगे?

दून, ऋषिकेश की हवा की गुणवत्ता में गिरावट

देहरादून। प्रदेश में हवा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। देहरादून और ऋषिकेश में हवा की गुणवत्ता में गिरावट आई है, हालांकि अभी भी दोनों शहरों में हवा की गुणवत्ता संतोषजनक श्रेणी में है। वहीं, काशीपुर में हवा की गुणवत्ता की निगरानी का काम शुरू नहीं हो सका है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार देहरादून का एयर क्वालिटी इंडेक्स 59 था, जो कि 71 पहुंच गया था, यह संतोषजनक श्रेणी में है। ऋषिकेश की एयर क्वालिटी इंडेक्स भी 56 था, जो कि शनिवार को 59 पर पहुंच गया। यह भी संतोषजनक श्रेणी में है। वहीं, पीसीबी के अधिकारियों ने शनिवार से मशीन के दुरुस्त होने और काशीपुर में हवा की निगरानी का काम शुरू होने की बात कही थी, लेकिन यह कार्य शुरू नहीं हो सका है।

नई मशीन लगाने की तैयारी

संक्षिप्त समाचार

यमुनोत्री धाम में सीजन की पहली बर्फबारी

बड़कोट। रविवार को मौसम ने अचानक करवट बदली और यमुनोत्री धाम में सीजन की पहली बर्फबारी हुई। बर्फ की फुहारों को देखकर धाम में मौजूद श्रद्धालु रोमांचित हो उठे। मां यमुना को दर्शन के लिए पहुंचे यात्रियों ने बर्फबारी के बीच प्राकृतिक नजारों का आनंद लिया।बर्फबारी के कारण धाम में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया। बारिश और बर्फबारी के बीच श्रद्धालुओं में मां यमुना के दर्शन को लेकर उत्साह बना रहा। पंच पंडा समिति के सचिव गिरीश उनियाल और सुरेश नौटियाल ने बताया कि धाम में सीजन की पहली बर्फबारी हुई है। कुछ यात्रियों ने पहली बार इतने करीब से बर्फबारी का अनुभव किया। बर्फबारी से उन्नाई वाले क्षेत्रों के साथ ही निचले क्षेत्रों में ठंड बढ़ गई है।

महिलाओं को किया जागरूक

पोखरी (चमोली)। 20वें हिमवंत कवि चंद्रकुंवर बर्वाल खादी ग्रामोद्योग एवं शरोदस्व मेले में महिला सशक्तीकरण गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में राज्य महिला आयोग की सदस्य वत्सला सती सहित एडवोकेट राधागनी रावत, तनुजा, उर्मिला नेगी और कुसुमलता गर्डिया ने महिलाओं को उनके अधिकारों, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक परंपराओं की जानकारी दी। वक्ताओं ने साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताते हुए महिलाओं से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिला शिक्षा समाज के विकास की आधारशिला है।

हर्षिल, उत्तरकाशी सहित तीन तहसील मुख्यालय में साइरन सिस्टम लगाए

उत्तरकाशी। आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से आपातकालीन समय और युद्ध व जंगली जानवरों के हमलों के समय स्थानीय लोगों को अलर्ट करने के लिए पांच आपातकालीन साइरन सिस्टम लगाए गए हैं। हर्षिल थाने सहित जनपद मुख्यालय और चिन्वालीसीडू, बड़कोट, पुरोला तहसील मुख्यालय में यह लगाए गए हैं। इससे स्टेशन के आसपास करीब दो से तीन किमी के क्षेत्र के लोगों को अलर्ट किया जा सकता है।आपदा, भूकंप सहित सामरिक दृष्टिकोण से उत्तरकाशी जनपद बहुत ही महत्वपूर्ण है। यहां पर आपदाओं के दौरान हर बार वारिज सिस्टम व आपातकालीन साइरन व्यवस्था की मांग उठती रही है। इसको लेकर आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से एक निजि कंपनी की मदद से जनपद के पांच महत्वपूर्ण स्थानों पर आपातकालीन साइरन सिस्टम की स्थापना की गई है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शार्दूल गुप्तई ने बताया कि इस सिस्टम में युद्ध सहित आपदा, जंगली जानवरों से अलर्ट के लिए अलग-अलग साइरन व आवाज की व्यवस्था है। साथ ही इसके माध्यम से वाइस रिर्काइंडिंग के माध्यम से भी लोगों को अलर्ट किया जा सकता है। कहा कि इसकी क्षमता करीब दो से तीन किमी की दूरी वाले क्षेत्रों में है। युद्ध व आपदा को देखते हुए इसे सीमांत हर्षिल थाने में आपातकालीन साइरन सिस्टम लगाया गया है। साथ ही उत्तरकाशी जनपद मुख्यालय में कलेक्ट्रेट परिसर, चिन्वालीसीडू सहित बड़कोट व पुरोला मे यह तहसील मुख्यालयों में लगाए गए हैं। यह सबसे अधिक आपदा के समय सहयोगी साबित होंगे।

बच्चों को सेना में जाने के लिए प्रेरित किया

कर्णप्रयाग। राईका देवलकोट में जिला परियोजना समग्र शिक्षा माध्यमिक चमोली की ओर से 9 से 12 कक्षाओं की छात्राओं को कॅरिअर गाइडेंस एंड काउंसिलिंग की जानकारी दी गई। काउंसलर राहुल चौहान ने बताया कि जीवन में अनुशासन, मेहनत, लगन और सकारात्मक ऊर्जा से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। बच्चों को अपने कॅरिअर का चुनाव अपनी कला, कालियल्यत, रुचि और क्षमता के हिसाब से करना चाहिए। सेवानिवृत्ति सैनिक भूपेंद्र चौहान ने बच्चों को सेना में जाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य करमजीत सिंह, शिक्षक राजेंद्र मैथुरी, जगदीश रावत, नीरज कुमार, पूनम, पूजा टट्य, नीतू रावत आदि मौजूद रहे



देहरादून। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड हवा की निगरानी के लिए नई मशीनों को लगाने की तैयारी कर रहा है। पीसीबी के सदस्य सचिव डॉ पराग मधुकर धकाते ने बताया कि काशीपुर में नई मशीन को लगाया जाएगा। बताया कि हवा की गुणवत्ता बेहतर रहे, इसको लेकर निकायों का भी सहयोग लिया जाएगा।

पटेलनगर में दून पुलिस का बड़ा सत्यापन अभियान

देहरादून। राजधानी देहरादून में अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से दून पुलिस का सत्यापन अभियान लगातार जारी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) देहरादून के निर्देशों पर कोतवाली पटेलनगर पुलिस ने क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में व्यापक स्तर पर सत्यापन अभियान चलाया। इस दौरान 545 किरायेदारों और बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया गया। वहीं, सत्यापन संबंधी नियमों का पालन नहीं करने वाले 30 भवन स्वामियों के खिलाफ पुलिस अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए कुल तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

आजाद कॉलोनी, लोहियानगर और ब्रह्मपुरी में चला अभियान

पुलिस की अलग-अलग टीमों ने 24 अक्टूबर 2026 को पटेलनगर कोतवाली क्षेत्र के आजाद कॉलोनी, लोहियानगर, ब्रह्मपुरी समेत विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाया। इस दौरान किरायेदारों, बाहरी व्यक्तियों और घरेलू सहायकों के सत्यापन की स्थिति की जांच की गई। साथ ही पूर्व में आपराधिक घटनाओं में संलिप्त रहे, पुलिस जांच में सामने आए और जमानत पर चल रहे व्यक्तियों का भी भौतिक



सत्यापन किया गया। पुलिस के अनुसार, अभियान के दौरान पूर्व की आपराधिक घटनाओं से जुड़े सात अभियुक्तों का भौतिक सत्यापन किया गया। उन्हें दोबारा किसी अपराधिक गतिविधि में संलिप्त पाए जाने पर सख्त वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

सत्यापन नहीं कराने वाले 30 भवन स्वामियों पर कार्रवाई

अभियान के दौरान कई भवन स्वामियों द्वारा किरायेदारों और घरेलू सहायकों का सत्यापन नहीं कराए जाने सहित अन्य अनियमितताएं सामने आईं। इस पर पुलिस ने 30 भवन स्वामियों के विरुद्ध पुलिस अधिनियम के तहत चालान की कार्रवाई की। सभी पर मिलाकर तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य भवन स्वामियों

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत 27 अक्टूबर को होगा जागरूकता समारोह

विकासनगर। यूनाइटेड इंडिया इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की ओर से भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण, ईमानदारी को बढ़ावा देने और पारदर्शिता के प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत जागरूकता समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन 27 अक्टूबर 2027 (गुरुवार) को दोपहर 3 बजे ग्राम पंचायत भवन, रुद्रपुर, विकासनगर, देहरादून में प्रस्तावित है। आयोजकों की ओर से आम नागरिकों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में सतर्कता, नैतिकता, ईमानदारी और पारदर्शिता के महत्व को बढ़ावा देना तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध सामूहिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। समारोह के माध्यम से लोगों को यह संदेश दिया जाएगा कि भ्रष्टाचार मुक्त समाज के

निर्माण के लिए सरकारी संस्थानों के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक की सज्जि भागीदारी भी आवश्यक है।

ईमानदारी और पारदर्शिता पर दिया जाएगा जोर

समारोह के दौरान सतर्कता एवं जनजागरूकता से संबंधित संदेशों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में नैतिक मूल्यों, पारदर्शिता और ईमानदारी जैसे विषयों पर चर्चा के साथ सतर्कता की शपथ दिलाने की गतिविधि भी प्रस्तावित है। इसका उद्देश्य लोगों को अपने दैनिक जीवन और कार्यक्षेत्र में निष्पक्षता तथा जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करना है।

आयोजकों के अनुसार, भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता फैलाना और समाज में सही कार्यप्रणाली को प्रोत्साहित करना ऐसे प्रयासों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब नागरिक



अनधिकृत विकास पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि बिना आवश्यक अनुमति के भूमि पर प्लॉटिंग करने, भवन निर्माण करने या व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालित करने के मामलों में

रुद्रपुर में शादी के दो महीने बाद नवविवाहिता की संदिग्ध मौत

उग्रम सिंह नगर। उत्तराखंड के उग्रम सिंह नगर जिले के रुद्रपुर में नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। रम्पुरा क्षेत्र में 24 वर्षीय सुमन का शव घर के भीतर दुपट्टे के फंदे से लटका मिला। सुमन की शादी करीब दो महीने पहले राकेश कोली से हुई थी। घटना के बाद परिवार में मातम पसर है। वहीं, मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल में देहेज के लिए प्रताड़ित किए जाने और बेटी की हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

घर के भीतर मिला शव, परिवार में मचा कोहराम

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुमन की शुक्रवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सुबह उसके पिता मदन लाल को घटना की जानकारी मिली। बेटी की मौत की खबर सुनते ही मायके पक्ष में कोहराम मच गया। सूचना के बाद शव को मोर्चरी में रखवाया गया, जहां आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। शादी के महज दो महीने बाद हुई इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, अभी तक महिला की मौत के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि

नहीं हुई है।

पिता का आरोप—देहेज के लिए बेटी को किया जा रहा था परेशान

मृतका के पिता मदन लाल ने ससुराल पक्ष पर देहेज उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह कथित देहेज मांगों को पूरा नहीं कर पा रहे थे, जिसके चलते उनकी बेटी को परेशान किया जा रहा था।

पिता ने बेटी की मौत के पीछे साजिश की आशंका जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

हालांकि, ससुराल पक्ष पर लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि घटना किन परिस्थितियों में हुई। तहसीलदार ने किया पंचनामा, कानूनी प्रक्रिया जारी मामले की कार्रवाई के तहत रुद्रपुर के तहसीलदार दिनेश कुटोला मोर्चरी पहुंचे और शव का पंचनामा भर। इसके बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

देहरादून में दो माइक्रो बुअरीज समेत आठ बार—तलबों पर छापा



देहरादून। राजधानी देहरादून में कर नियमों के अनुपालन को लेकर राज्य कर विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग की आठ टीमों ने दो प्रमुख माइक्रो बुअरीज सहित करीब आठ बार, क्लब और रेस्टोरेंट में एक साथ औचक जांच की। जांच के दौरान वैट और जीएसटी से संबंधित कई अनियमितताएं सामने आईं। प्रारंभिक जांच में दोनों माइक्रो बुअरीज का करीब 2.50 करोड़ रुपये का ऐसा कारोबार सामने आया, जिस पर कर देयता बनती है। वहीं, जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं करने वाले कुछ बार संचालकों से 11.50 लाख रुपये का तत्काल भुगतान कराया गया। इसके अलावा एक नामी बार—क्लब ने 33 लाख रुपये का इनपुट टैक्स भ्रैडट (आईटीसी) रिवर्स करने पर सहमत जताई है।

आयुक्त कर के निर्देश पर आठ टीमों ने की कार्रवाई

राज्य कर विभाग की यह कार्रवाई आयुक्त कर प्रतीक जैन के निर्देश पर की गई। संयुक्त आयुक्त (कार्यपालक), राज्य कर, देहरादून अनुगुण मिश्रा के नेतृत्व में अभियान चलाया

आवश्यक पंजीकरण नहीं कराने और जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं करने से जुड़े मामले सामने आए। **वैट पंजीकरण के बिना हो रही थी बीयर की बिक्री** जांच में सामने आया कि दो माइक्रो बुअरीज ने वैट अधिनियम के तहत आवश्यक पंजीकरण नहीं कराया था। इन इकाइयों में उत्पादित बीयर की बिक्री पर भी वैट जमा नहीं किया जा रहा था।

उपायुक्त अजय बिश्नोरे के अनुसार, प्रारंभिक जांच में दोनों इकाइयों का लगभग 2.50 करोड़

रुपये का कारोबार सामने आया है, जिस पर कर देयता बनती है। संबंधित इकाइयों के संचालकों ने नियमों की जानकारी नहीं होने की बात कही और बीयर की बिक्री पर नियमानुसार कर तथा ब्याज जमा करने की सहमति जताई है।

विभाग अब संबंधित अभिलेखों और कर देयता के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रहा है।

को किरायेदारों और घरेलू सहायकों का समय पर सत्यापन कराने के प्रति जागरूक करना तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

सात संदिग्धों से पूछताछ जारी सत्यापन अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे सात व्यक्तियों को पूछताछ के लिए थाने लाया। पुलिस के अनुसार, इन व्यक्तियों से आवश्यक पूछताछ की जा रही है। हालांकि, केवल पूछताछ के लिए थाने लाए जाने से किसी व्यक्ति का अपराध में संलिप्त होना साबित नहीं होता।

एसएसपी के निर्देशों पर अभियान जारी एसएसपी देहरादून ने अधीनस्थ अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों, बाहरी लोगों और आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे व्यक्तियों का सत्यापन करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नियमों का पालन नहीं करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है।

दून पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और अपराधों की रोकथाम के लिए सत्यापन अभियान आगे भी जारी रहेगा।

पटेलनगर बाजार में दो पक्षों में हुआ विवाद



देहरादून। पटेलनगर बाजार क्षेत्र में दो पक्षों के बीच हुए विवाद के बाद सार्वजनिक स्थान पर हंगामा और मारपीट की नौबत आ गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों के आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, सभी लोग समझाने के बावजूद शांत नहीं हुए और आपस में मारपीट करने पर उत्तारू हो गए।

उत्तारू हो गए थे। शांति व्यवस्था बंग होने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक, 24 अक्तूबर को कोतवाली पटेलनगर को बाजार क्षेत्र में दो पक्षों के बीच विवाद और सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंग की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और झगड़ा कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास किया। आरोप है कि पुलिस के समझाने के बावजूद वे नहीं माने और अधिक उग्र होकर आपस में मारपीट करने पर उत्तारू हो गए। स्थिति बिगड़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने आठ लोगों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170 के तहत गिरफ्तार कर लिया।

जयन्त

संस्थापक : नरेंद्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरनाथ मार्ग, कोटहरा गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा 28, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, डांडा नूरीवाला, सन्मधारा रोड़, देहरादून उत्तराखण्ड का प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जिला मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. UTTHIN/2005/16338

पाकिस्तान से आगे निकला भारत का जीत का रिकॉर्ड, 300 टी-20 मैचों में दर्ज की 200 जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। मौजूदा समय में टी20 क्रिकेट का क्रेज लगातार बढ़ रहा है और द्विपक्षीय सीरीज में टी20 के मुकाबले अधिक खेले जा रहे हैं। लगभग हर टीम खेल के इस छोटे प्रारूप में अधिक से अधिक मैच खेल रही है जिससे टेस्ट और वनडे के भविष्य पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। भारत ने सर्वाधिक तीन बार टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया है, लेकिन आपको जानकारी हेरानी होगी कि इस टीम ने टी20 में सर्वाधिक मैच नहीं खेले हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच शनिवार को दूसरा टी20 मुकाबला खेला गया। भारतीय टीम के लिए ये मैच काफी विशेष रहा क्योंकि उसने मैदान पर उतरने के साथ ही बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। शनिवार को क्राइस्टचर्च के प्रसिद्ध हेग्ले ओवल मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले के साथ ही भारतीय टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों का एक नया और अनूठा कीर्तिमान अपने नाम कर लिया। इस महत्वपूर्ण मैच के साथ ही भारत, चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के बाद टी20

अंतरराष्ट्रीय मैचों का 300 या उससे अधिक का आंकड़ा छूने वाली दुनिया की केवल दूसरी टीम बन गई है। क्रिकेट के इस सबसे तेज, छोटे और रोमांचक फॉर्मेट में भारत की यह यात्रा अविश्वसनीय रूप से सफल रही है, जिसने दुनिया भर के खेल प्रेमियों को अनगिनत यादगार और ऐतिहासिक लम्हे दिए हैं।

टी20 में सर्वाधिक मैच खेलने का रिकॉर्ड फिलहाल पाकिस्तान के नाम है। पाकिस्तान ने अब तक 304 टी20 मैच खेले हैं और वह पहले स्थान पर है। हालांकि, भारत ठीक उसके पीछे है। भारत इस सूची में अब दूसरे पायदान पर मजबूती से स्थापित हो गया है, जिसने अपने 300 मैच पूरे कर लिए हैं। इस क्रम में न्यूजीलैंड की टीम तीसरे स्थान पर है, जिसने अब तक कुल 269 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में हिस्सा लिया है। इसके अतिरिक्त, वेस्टइंडीज की टीम ने 260 और श्रीलंका ने 243 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जो इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली दुनिया की शीर्ष टीमों में शुमार हैं।

टी-20 में भारत-पाकिस्तान के आंकड़े

टी20 में भारतीय टीम के आंकड़ों को देखें तो टीम ने 300 मैचों में से 200 में जीत दर्ज की है। वहीं, मौजूदा टी20 विश्व कप चैंपियन टीम को 83 मैचों में हार मिली है और सात मैच टाई रहे हैं। वहीं, 10 मैच बेनतीजा रहे हैं। टी20 में 200 जीत का यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि भारतीय टीम ने टी20 क्रिकेट में किस स्तर का एकतरफा दबदबा बनाया है और वैश्विक मंच पर अपनी सर्वोच्चता कायम रखी है। दूसरी ओर, पाकिस्तान के प्रदर्शन को देखें तो उसने कुल 304 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें से उसे 176 मुकाबलों में जीत नसीब हुई है और 116 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान के चार मैच टाई पर छूटे हैं और आठ मुकाबलों का कोई परिणाम नहीं आ पाया है। जब भारत और पाकिस्तान के इन आंकड़ों की तुलना की जाती है, तो भारतीय टीम का जीत-हार का अनुपात काफी अधिक मजबूत नजर आता है।



विश्व कुश्ती चैंपियनशिप ललित कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंचे

अस्ताना। भारत के ललित ने अमेरिका के मैक्स एमिलियानो नोवरी को 7-0 हराकर ग्रीको रोमन विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई, लेकिन तीन अन्य भारतीय पहलवान पहले दौर में ही बाहर हो गए। ललित कांस्य पदक के मुकाबले में कजाकिस्तान के इस्कर कुरबायेव से भिड़ेंगे। अगर वह यह मैच जीत जाते हैं तो विश्व चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे।

विश्व चैंपियनशिप में किस भारतीय ने जीता है पदक...

संदीप तुलसी यादव एकमात्र भारतीय हैं जिन्होंने 2013 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता नितेश सिवाच सहित तीन अन्य भारतीय पहलवान शुरुआती मुकाबलों से आगे नहीं बढ़ पाए। सिवाच को 97 किलोग्राम वर्ग में जर्मनी के एंटोन व्यूएग से हार का सामना करना पड़ा। जर्मनी के खिलाड़ी ने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत हासिल की।

करणजीत (72 किलोग्राम) अपने क्वालीफाईंग मुकाबले में जापान के रिनतारो सोगबे से 2-3 से हार गए। करनजीत अच्छी स्थिति में थे लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए जबकि सोगबे ने जवाबी हमला करके अंक बनाकर भारतीय खिलाड़ी को पीछे छोड़ दिया। जोगिंदर राठी को 130 किलोग्राम वर्ग में तुर्किए के पहलवान और मौजूदा यूरोपीय चैंपियन रिजा कायाल्प से करारी हार का सामना करना पड़ा।



तिलक वर्मा के फिनिशर की भूमिका से प्रभावित हुए सैंटनर

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा के फिनिशर के रूप में उभरने से प्रभावित न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने खुद को नई भूमिका में शानदार तरीके से ढाला है। तिलक ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में नाबाद 51 रन की पारी खेलकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। सैंटनर ने तिलक को मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल एक साथ खेलते हुए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखा है, लेकिन अब बाएं हाथ का यह बल्लेबाज मैच खत्म करने की जिम्मेदारी भी बखूबी निभा रहे हैं।

जीत में दिया अहम योगदान

भारत के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 21 रन देकर चार विकेट लेने वाले सैंटनर मुंबई इंडियंस की टीम में तिलक के अलावा भारत की जीत की नींव रखने वाले नमन धीर के साथ भी ड्रेसिंग रूम साझा कर चुके हैं। सैंटनर ने कहा, जब तिलक ने शुरुआत की थी, तब वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते थे। वह भूमिका थोड़ी अलग होती है। मध्यक्रम में आपकी भूमिका इस बात पर निर्भर करती है कि आप पारी के बीच के ओवरों और अंतिम ओवरों में किस तरह बल्लेबाजी करते हैं। मैं उन्हें मुंबई में पिछले कुछ वर्षों से खेलते देख रहा हूं। वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं।

नमन और नीतीश कुमार रेड्डी की भी तारीफ

उन्होंने तिलक के साथ बेहतरीन साझेदारी करने वाले नमन और नीतीश कुमार रेड्डी की भी तारीफ करते हुए कहा, नमन धीर के साथ भी ऐसा ही है। वह जिस तरह मैदान पर उतरते हैं और शुरुआत से ही बेखोफ होकर खेलते हैं, वह शानदार है। तिलक ने दूसरे मैच में थोड़ा समय लिया, लेकिन अंत में रेड्डी के साथ मिलकर लक्ष्य का पीछा बहुत अच्छी तरह संभाला। अगर आप फिनिशर की भूमिका निभाते हुए मैच खत्म करते हैं, तो आप अपना काम अच्छी तरह कर रहे हैं। इन तीनों बल्लेबाजों ने अंतिम चरण में शानदार प्रदर्शन किया।

न्यूजीलैंड ने कहां की गलती...

बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन के बावजूद सैंटनर को लगा कि न्यूजीलैंड ने मैदान पर कुछ अहम मौकों पर गलतियां करके मैच अपने हाथ से निकलने दिया। उन्होंने भारतीय पारी के अंतिम चरण में कैच छोड़ने और क्षेत्ररक्षण में चूक को हार का प्रमुख कारण बताया। उन्होंने कहा, अगर दोनों टीमों के कोशल की तुलना करें तो मुकाबला काफी करीबी रहा है। फैसला मैदान पर कुछ छोट-छोटे पलों से हुआ। दूसरे टी20 में लक्ष्य का पीछा करते समय अंतिम चरण में हम अच्छी स्थिति में थे, लेकिन हमने कुछ कैच छोड़े और क्षेत्ररक्षण में गलतियां कीं। यही चीजें मैच जिताती या हराती हैं न्यूजीलैंड के कप्तान ने कहा कि टीम इस हार की समीक्षा करेगी, लेकिन छूटे हुए मौकों पर जरूरत से ज्यादा ध्यान देने के बजाय सकारात्मक पहलुओं को भी देखेंगी। सीरीज का अगला मुकाबला वेलिंगटन में खेला जाना है, जहां तेज हवाओं के कारण क्षेत्ररक्षण एक बार फिर चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

वाल्टर को वापसी की उम्मीद, बोले- हमने मौके गंवाए

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने रविवार को कहा कि भारत के खिलाफ पहले दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनकी टीम ने कुछ मौके गंवाए लेकिन उन्हें उम्मीद है कि टीम बाकी बचे तीन मैच में वापसी करने में सफल रहेगी। न्यूजीलैंड की टीम ने पहले दो मैच में अधिकतर समय अपना पलड़ा भारी रखा लेकिन आखिर में उसे हार का सामना करना पड़ा। वाल्टर का मानना है कि उनकी टीम ने प्रत्येक मैच के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से में अच्छा प्रदर्शन किया था। वाल्टर ने कहा, हम दोनों मैचों में आसानी से जीत हासिल कर सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हमने कुछ अच्छे मौके गंवाए जिससे परिणाम हमारे अनुकूल नहीं रहा। हार से थोड़ी निराशा है लेकिन हम अपने प्रदर्शन से बेहद खुश हैं। हम दोनों मैच का अंत अपने अनुकूल नहीं कर पाए जो निराशाजनक है लेकिन हमारे लिए दोनों मैच में कई सकारात्मक पहलू रहे।

वाल्टर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को महत्वपूर्ण क्षणों में अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है। न्यूजीलैंड ने दूसरे मैच में कुछ कैच छोड़े जबकि एक बार नोबॉल होने के कारण बल्लेबाज को जीवनदान मिला। उन्होंने कहा, कोई भी जानबूझकर ऐसी गलतियां नहीं करता। अनजाने में ऐसा हो जाता है। इसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। दूसरे मैच की बात करें तो पावरप्ले में तीन विकेट गंवाने के बाद 180 रन तक पहुंचना आसान नहीं होता है। ईमानदारी से कहूं तो इस स्कोर का बचाव किया जा सकता था।



सैंटनर को सराहा

वाल्टर ने दूसरे मैच में कप्तान मिचेल सैंटनर के प्रदर्शन की भी प्रशंसा की जिन्होंने चार विकेट लेकर मैच का रुख अपने पक्ष में मोड़ दिया था। उन्होंने कहा, कभी-कभी उनके प्रदर्शन को सराहना नहीं मिलती है। यह कोई बहुत ज्यादा टर्न लेने वाली पिच नहीं थी। थोड़ी बहुत उछाल जरूर थी। लेकिन जिस तरह से उन्होंने गेंद को क्रीज पर घुमाया और अपनी गति का इस्तेमाल किया, वह वास्तव में काबिले तारीफ था।

धोनी खेलेंगे या लेंगे संन्यास, दिसंबर से पहले होगा फैसला

बंगलूरु, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने भविष्य को लेकर अहम संकेत दिया है। धोनी ने कहा कि अगले सीजन में खेलने का फैसला लेने से पहले उन्हें अपनी फिटनेस का आकलन करना होगा। उन्होंने संकेत दिया कि इस संबंध में दिसंबर से पहले फैसला लिया जा सकता है।

बंगलूरु में एक हेल्थकेयर कार्यक्रम के दौरान धोनी से पूछा गया कि क्या वह आईपीएल का एक और सीजन खेलना चाहेंगे। इस पर उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि पहले उन्हें फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा और रिपोर्ट के आधार पर यह देखा होगा कि वह एक और सीजन खेलने के लिए कितने मजबूत हों। धोनी ने अपने भविष्य पर बात करते हुए कहा 'डॉक्टर, मुझे टेस्ट से गुजरना होगा। आपको मुझे रिपोर्ट देनी होगी और फिर दिसंबर से पहले मुझे देखा होगा कि मैं एक और सीजन खेलने के लिए कितना मजबूत हूं।' उन्होंने आगे मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर वह खेलने की स्थिति में नहीं हुए, तो डॉक्टरों को उनकी सेहत का पूरा ध्यान रखना होगा, ताकि यह पुरानी गाड़ी सड़क पर अच्छी तरह चलती रहे।

चोट के कारण नहीं खेले धोनी

एमएस धोनी आईपीएल 2026 में फिटनेस संबंधी समस्याओं, खासकर पिंडली की परेशानी के कारण पूरे सीजन से बाहर रहे। उनकी गैरमौजूदगी चेन्नई सुपर किंग्स के प्रशंसकों के लिए निराशाजनक रही। अब सभी की नजरें उनकी फिटनेस और अगले सीजन में संभावित वापसी पर हैं। हालांकि, धोनी ने अभी आईपीएल 2027 में खेलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

पिछले सीजन रहे निराशाजनक

चेन्नई सुपर किंग्स ने धोनी की कप्तानी में आखिरी बार 2023 में आईपीएल खिताब जीता था। 2024 से ऋतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व में खेल रही टीम को पिछले दो सीजन में अपेक्षित सफलता नहीं मिली। टीम 2025 में अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रही, जबकि 2026 में आठवें स्थान पर रही। ऐसे में धोनी की संभावित वापसी को लेकर प्रशंसकों में उत्पुष्कता बनी हुई है। हालांकि, टीम में उनकी भूमिका और अगले सीजन में खेलने की संभावना उनकी फिटनेस तथा अंतिम निर्णय पर निर्भर करेगी।

धोनी बोले- RCB ने शानदार प्रदर्शन किया

एमएस धोनी ने कहा कि कागजी पर किसी टीम का मजबूत दिखना उतना मायने नहीं रखता, जितना मैदान पर सही दिन अच्छा प्रदर्शन करना। उनके मुताबिक, टी20 जैसे छोटे प्रारूप में शीर्ष टीमों के बीच अंतर बहुत कम होता है और एक मैच का प्रदर्शन नतीजा बदल सकता है। धोनी ने माना कि पिछले दो वर्षों में सीएसके का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा, जबकि आरसीबी ने लगातार बेहतर क्रिकेट खेली है। उन्होंने कहा कि आरसीबी की उपलब्धियों को स्वीकार करने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए। धोनी के अनुसार, खेल में अच्छे और बुरे दौर आते रहते हैं। असली परीक्षा तब होती है, जब टीम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाती। ऐसे समय में टीम को अपनी कमजोरियों को पहचानकर उन पर काम करना जरूरी होता है।

बंगलूरु के मैदान पर बल्लेबाजों को आता है मजा

एमएस धोनी ने बंगलूरु के क्रिकेट मैदान की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि यहां गेंद आसानी से बाउंड्री पार कर सकती है, जिससे बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने का मौका मिलता है। उनके मुताबिक, कई बार बल्लेबाज का शॉट सही तरीके से नहीं लगने के बावजूद गेंद छक्के के लिए चली जाती है। हालांकि, यही मैदान गेंदबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण भी बन जाता है। धोनी ने कहा कि इस तरह के हाई-स्कोरिंग मुकाबले दर्शकों के लिए मनोरंजक होते हैं। बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर मिलता है, जबकि गेंदबाजों को दबाव में अपनी क्षमता साबित करनी पड़ती है।

धोनी ने कहा कि अगले सीजन में खेलने का फैसला लेने से पहले उन्हें अपनी फिटनेस का आकलन करना होगा

